TNF TODAY

# टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | दो दशक बाद फिर गूंजेगा रंगमंच!... (पेज-3) | पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | सोमवार | दिनांक- 02.11.2026

सीईसी के खिलाफ विपक्षी पार्टियों की रैली

# मेरी बात सच होगी, ज्ञानेश कुमार जेल जाएंगे: राहुल

एजेंसी, नई दिल्ली।

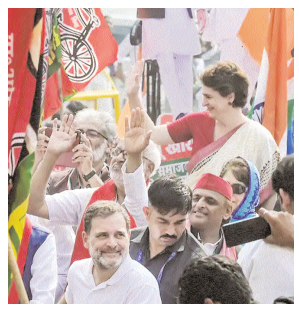
अलग-अलग पार्टियां, मकसद एक- ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग। विपक्ष के तमाम बड़े नेताओं ने दो दिन से दिल्ली में डेरा डाल रखा है।

शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के घर विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जनमहाभियोग पास किया तो रविवार को सोनिया समेत राहुल, प्रियंका, अखिलेश, ममता और तेजस्वी बाकी नेताओं के साथ रामलीला मैदान पहुंचे। करीब चार घंटे चले इस कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा- मेरी बात सच होगी, ज्ञानेश कुमार उएउ के पद से हटेंगे और जेल जाएंगे।

रैली में सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और सुप्रिया सुले समेत इंडिया ब्लॉक के कई नेता मौजूद रहे। 8 नेताओं ने स्पीच दी। एसआईआर और ज्ञानेश कुमार के विरोध में पिछले 25 दिनों में विपक्ष सातवीं बार एकजुट हुआ। इससे पहले 6 से 13 अक्टूबर के बीच 6 बार प्रदर्शन हुए थे।

**भाजपा बोली- 2024 में ज्ञानेश कुमार उएउ थे ही नहीं**

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि राहुल कहते हैं कि 2024 का चुनाव अवैध था। मैं कहना चाहता हूं कि 2024 में ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त नहीं थे। 2025 में मुख्य चुनाव आयुक्त बनकर आए। अगर 2024 का चुनाव अवैध था तो



आप भी अवैध लीडर ऑफ अपोजिशन हैं।

रामलीला मैदान में 10 लाख लोगों के जुटने के दावे पर इखढ नेता संबित पात्रा ने सवाल उठाए। उन्होंने रैली की तस्वीरें और वीडियो दिखाते हुए कहा कि मैदान में बड़ी संख्या में कुर्सियां खाली थीं। उनके मुताबिक, 28 हजार कुर्सियों में 5 से 7 हजार खाली थीं।

**राहुल गांधी ने कहा- हमें नफरत नहीं, मोहब्बत फैलानी है**

राहुल गांधी ने कहा, 'ज्ञानेश कुमार रात को सो नहीं पाता। वो डर रहा है, उसने सबसे बड़ा क्राइम किया है। देश की आवाज को बंद करने की कोशिश की, उसका गला घोंटा है।' उन्होंने कहा, 'न तो मोदी, न ही शाह, वो भी सो नहीं पा रहे। हम दुश्मनी वाले लोग नहीं है। हमें नफरत नहीं, मोहब्बत फैलानी है। ये प्रोटेस्ट किसी एक पार्टी, एक नेता का नहीं है। ये देश का प्रोटेस्ट है। देश की आवाज है, संविधान को बचाने की आवाज है।'

**राहुल ने कहा- देश में जो बेचा है, उसका बदला लेंगे**

राहुल गांधी ने कहा, 'मैं आपको बताता हूं कि मोदी कहीं नहीं जा सकते, जाना भी चाहें तो हम कहीं नहीं जानें देंगे। ज्ञानेश कुमार के बाद हम आपके सामने खड़े होने जा रहे। आपने जो वोट चोरी की है उसके खिलाफ लीगल कार्यवाई होगी। देश को न्याय मिलेगा।

राहुल ने ये भी कहा कि आपने अडाणी को जो देश बेचा है, उसका बदला लेंगे। आपको भागने नहीं देंगे, आप यहीं के यहीं रहोगे। कार्रवाई होकर रहेगी। उन्होंने कहा, 'हममें और उनमें अंतर है, ये देश नफरत का नहीं है। हम मोदी-शाह ज्ञानेश से नफरत नहीं करते। हम मोहब्बत की दुकान खोलने वाले लोग हैं। मोदी-ज्ञानेश ने देश की आत्मा, संविधान, लोकतंत्र पर हमला किया है। हम ये स्वीकार नहीं करेंगे।'

## दिल्ली में विपक्ष की रैली के खिलाफ भाजपा का मार्च: नड्डा बोले- आज के दिन सिखों का नरसंहार हुआ, राहुल अपनी राजनीति के लिए शहीदों को भूले

**नई दिल्ली।** इंडिया ब्लॉक की रामलीला मैदान में रैली के विरोध में भाजपा ने आज दिल्ली समेत देशभर में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ मार्च निकाला। दिल्ली में हरि नगर से तिलक नगर तक करीब एक किमी लंबा मार्च निकाला गया। इसमें 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ित परिवार और सिख समुदाय के लोग शामिल हुए। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने रामलीला मैदान में रक्षक के खिलाफ रैली के लिए 1 नवंबर का दिन जानबूझकर चुना है। 1 नवंबर 1984 को सिख विरोधी हिंसा हुई थी। वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने हरियाणा के रोहतक में रैली निकाली। उन्होंने कहा कि वोट चोरी कांग्रेस की विरासत है। ये वोट चोरी भी करते हैं और जनता के वोट का अपमान भी करते हैं। राहुल गांधी विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आज सिख विरोधी हिंसा के पीड़ितों को याद करना चाहिए था लेकिन राहुल गांधी उन्हें भूलकर रामलीला मैदान में अपनी राजनीति चमका रहे हैं। नड्डा बोले- राहुल विदेश जाकर भारत का अपमान करते हैं-जेपी नड्डा ने कहा कि त्योहारों का सीजन है। साल भर व्यापारी इंतजार करते हैं कि त्योहारों में दो पैसे कमाई होगी। लेकिन राहुल को इनकी परवाह नहीं। उळकने चार-चार बार उन्हें चिट्ठी लिखकर गुहार लगाई कि इतना बड़ा प्रदर्शन मत करिए लेकिन राहुल के तमाशे के कारण 10 हजार करोड़ का नुकसान होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के कारण उनका धंधा बंद हो गया है। इंडिया ब्लॉक के भाइयों से पूछना चाहता हूं कि क्या आप भी इस पाप में साझेदार हैं। क्या आप भाजपा से नफरत करते करते देश की जनता से भी नफरत करने लगे हैं। नड्डा ने कहा कि राहुल विदेश जाकर भारत का अपमान करते हैं। क्या यही आपका एजेंडा है। भारत की जनता आपके झांसे में नहीं आएगी। आप दिल्ली के व्यापारियों का हिसाब देने से नहीं बच सकते।

# 49 करोड़ लोग गरीबी से निकले, आर्थिक असमानता भी घटी: मोदी

## 6 साल में रोजगार के 13.4 करोड़ मौके बने



एजेंसी, नई दिल्ली।

पीएम मोदी ने कहा कि 2011 से 2023 के बीच भारत में 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए। इस दौरान देश में अत्यधिक गरीबी की दर 90% तक कम हुई।

मोदी ने वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि गरीबी खत्म करना सरकार के लिए सिर्फ नारा नहीं, बल्कि पक्का संकल्प है।

मोदी ने यह भी कहा कि पिछले 6 साल में रोजगार के 13.4 करोड़ नए अवसर बने हैं। यह संख्या कामकाजी उम्र की आबादी में हुई बढ़ोतरी से करीब दोगुनी है।

उन्होंने देश में आर्थिक असमानता कम होने की बात भी कही। प्रधानमंत्री ने ये आंकड़े इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए साझा किए।

**पीएम बोले- गरीबी खत्म करना सरकार के लिए सिर्फ एक नारा नहीं**

वर्ल्ड बैंक ने अक्टूबर में 'इंडिया पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ' नाम से रिपोर्ट जारी की थी। इसके मुताबिक, भारत में अत्यधिक गरीबी की दर 2011 में 27.1% थी, जो 2023 में घटकर 2.6% रह गई।

मोदी ने कहा कि वर्ल्ड बैंक के मुताबिक भारत में दुनिया में सबसे तेजी से गरीबी कम हुई है। उन्होंने आर्थिक असमानता मापने वाले गिनी इंडेक्स का भी जिक्र किया।

उनके मुताबिक, इसमें 20% से ज्यादा की गिरावट आई है और यह घटकर 23.0 पर पहुंच गया है।

### गरीबी घटने की 3 वजह: खपत बढ़ी, महिलाओं को मिला रोजगार

**लोगों की खरीदने की क्षमता बढ़ी:** आम लोगों की कमाई और खर्च करने की क्षमता में सुधार हुआ है।

**ग्रामीण महिलाओं को काम मिला:** 2017 से 2023 के बीच करीब 13.4 करोड़ नए रोजगार के अवसर बने। इनमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी सबसे ज्यादा रही। कई महिलाएं पहली बार कमाई वाले कामों से जुड़ीं।

**सरकारी योजनाओं से मदद:** मुफ्त राशन और सीधे बैंक खातों में पैसे भेजने जैसी योजनाओं से गरीब परिवारों को सहारा मिला।

### रहन-सहन और बुनियादी सुविधाओं में भी सुधार

गरीबी में कमी सिर्फ कमाई तक सीमित नहीं रही। लोगों के रहन-सहन और बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच में भी सुधार हुआ है। अब पहले के मुकाबले ज्यादा लोगों के पास पक्के मकान, बिजली, साफ पानी, शौचालय और रसोई गैस जैसी सुविधाएं हैं। ऑक्सफोर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, 2005-06 में देश की 53.8 प्रतिशत आबादी इन बुनियादी सुविधाओं से वंचित थी। 2019-21 तक यह आंकड़ा घटकर 16.4% रह गया। वहीं, वर्ल्ड बैंक के पैमाने के अनुसार 2022-23 में नॉन-मॉनेटरी गरीबी घटकर 15.5 प्रतिशत रह गई।

### चुनौतियां: देश के 57 प्रतिशत गरीब यूपी से पश्चिम बंगाल के बीच

वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, गरीबी घटने के बावजूद देश में कई चुनौतियां बनी हुई हैं। भारत के कुल गरीबों में से करीब 57 प्रतिशत उत्तर प्रदेश से पश्चिम बंगाल के बीच के इलाकों में रहते हैं। इन क्षेत्रों में रोजगार के नए और बेहतर अवसर पैदा करना जरूरी है।

**युवाओं में बेरोजगारी बढ़ी:** युवाओं में बेरोजगारी की दर 14.6 प्रतिशत से बढ़कर 15.9 प्रतिशत हो गई है। इनमें ग्रामीण युवा महिलाओं की संख्या ज्यादा है।

कमाई में बड़ा सुधार नहीं: लोगों को रोजगार तो मिला, लेकिन उनकी आमदनी में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई। इसकी वजह यह है कि ज्यादातर नौकरियां कम कमाई वाले क्षेत्रों में मिलीं।

रिपोर्ट के अनुसार, रोजाना करीब 400 रुपए (4.20 डॉलर) से कम कमाने वाले लोगों की आबादी 57.7% से घटकर 16.1% रह गई है। अनुमान है कि 2028 तक यह आंकड़ा 12.1% हो जाएगा।

## यूपी:कोर्ट ने आजम खां को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया

एजेंसी, लखनऊ।

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां को रविवार को गाजियाबाद की विशेष अदालत में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पेश किया गया। उनकी पेशी को लेकर कोर्ट परिसर के आसपास लोगों और समर्थकों का जमावड़ा लग गया। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल तैनात रहा और पूरे परिसर में सतर्कता बरती गई।

दरअसल, आजम खां को शनिवार को रामपुर जेल से रिहाई के तुरंत बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कर लिया था। यह कार्रवाई मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट और जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की गई है।

ईडी की टीम आजम खां को गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए कस्टडी रिमांड की मांग की। एजेंसी इस मामले में उनसे वित्तीय लेनदेन और ट्रस्ट से जुड़े मामलों में पूछताछ करना चाहती है। कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत जेल भेजने का आदेश दिया। वहीं, दूसरी तरफ आजम खां की कोर्ट में पेशी की सूचना पर समर्थकों और स्थानीय लोगों की भीड़ जुटी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए।

नितिन नवीन का राहुल गांधी पर निशाना

## कहा-'जनता के मत से बनी सरकार का कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता'

एजेंसी, रोहतक।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को हरियाणा के रोहतक में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ' पद यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, "इस पदयात्रा में आपने जो एक-एक पग बढ़ाया है, वह देश के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए बढ़ाया है। आज हम लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए, जनादेश के सम्मान के साथ पदयात्रा निकाल रहे हैं। लोग पूछते हैं कि दिल्ली से लेकर ज्यादातर राज्यों में आपकी सरकार है, तो लोकतंत्र बचाने की जरूरत क्यों पड़ी? जब ऐसा विपक्ष हो, जो जनादेश का अपमान करता हो, तब जनता के साथ सड़कों पर लोकतंत्र की आवाज बनकर उन्हें चुनौती देने का काम एनडीए का कार्यकर्ता करता है।" उन्होंने कहा कि 1 नवंबर 1984 में हमारे सिख भाइयों के साथ जो गंदा खेल खेला गया, जो कत्लेआम हुआ, कांग्रेस को उसका प्रायश्चित करना चाहिए था, माफी मांगनी चाहिए थी लेकिन आज ये रैली करने निकले हैं। मैं पूछता हूं कि राहुल गांधी, जब सिख भाइयों का कत्लेआम हुआ था, तब



आपके पिताजी ने कहा था कि जब बड़ा पेड़ गिरता है, तो धरती कांपती है। धरती के कांपने से हमारे कितने सिख भाइयों का जीवन समाप्त हो गया, उसका पछतावा आपको होना चाहिए था, माफी मांगनी चाहिए थी लेकिन आप तो प्रदर्शन करने निकले हैं।"

नितिन नवीन ने कहा, "आज संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं लेकिन संविधान को तार-तार भी इसी कांग्रेस पार्टी ने किया है। इंदिरा गांधी ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके गलत तरीके से चुनाव जीता, तब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गांधी के चुनाव को निरस्त करके उन्हें 6 साल के लिए चुनाव न लड़ने का आदेश दिया था। सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके चुनाव कौन जीता था? यह पूरी तरह से कांग्रेस की विरासत है, जो वोट चोरी भी करती है और जनता के मत का भी अपमान करती है।"

नितिन नवीन ने आगे कहा, "उनको (राहुल गांधी) देश की 140 करोड़ जनता पर विश्वास नहीं है, उन्हें 3 करोड़ घुसपैठियों पर विश्वास है। राहुल गांधी, आपकी मंशा क्या है? लोकतंत्र में सबसे बड़ा मत होता है, जनता का मत और जनता ने जब-जब मत दिया है, आप हारे हैं।"

उन्होंने कहा, "विदेशी ताकतों के इशारे पर, राहुल गांधी विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे हैं। वे विदेशी ताकतों के इशारे पर देश के लोकतंत्र को चुनौती देना चाहते हैं। देश की 140 करोड़ जनता देख रही है, उसे मालूम है कि ये कौन लोग हैं। ये वही लोग हैं, जिन्होंने विदेशों में अराजकता फैलाई। कांग्रेस के लोग कहते हैं कि सत्ता बदल देंगे। अरे, ये जनता के मत से बनी हुई सरकार है, इसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। अराजकता वाली सोच को करारा जवाब देना है।"

उन्होंने कहा, "पिता के राज में सड़कों पर सिखों का कत्लेआम हुआ और बेटा रैली का पाखंड रचकर उसी दर्द का सरेआम अपमान कर रहा है! जनता सब देख रही है और हिसाब भी लेगी।"

## 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैली: नागपुर में जुटेंगे 20 हजार लोग, फडणवीस-गडकरी करेंगे नेतृत्व

एजेंसी, मुंबई।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी पांच नवंबर को नागपुर में एक रैली का नेतृत्व करेंगे। इसका नाम 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रखा गया है। यह रैली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के देशव्यापी अभियान के समापन के अवसर पर निकाली जाएगी। भाजपा ने यह अभियान विपक्षी दलों के कथित भ्रामक प्रचार का जवाब देने के लिए शुरू किया है। पार्टी का कहना है कि विपक्षी दल लोकतांत्रिक संस्थाओं को लेकर भ्रामक प्रचार कर रहे हैं।

**कहां से कहां तक निकलेगी रैली?**

पार्टी के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने रविवार को पत्रकारों से बात की। उन्होंने बताया कि यह मार्च यशवंत स्टेडियम से संविधान चौक तक निकाला जाएगा। इसमें 15 हजार से 20 हजार लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।



### किन मुद्दों पर होंगे कार्यक्रम?

भाजपा की ओर से जारी बयान के मुताबिक, इन कार्यक्रमों में चुनावी निष्पक्षता पर ध्यान दिया जाएगा। पात्र नागरिकों के मतदान के अधिकार पर भी चर्चा होगी। इसके अलावा, लोकतांत्रिक और सांविधानिक संस्थाओं में जनता का भरोसा मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। बावनकुले ने बताया कि चार दिनों के कार्यक्रम में छात्रों, युवाओं, सोशल मीडिया से जुड़े लोगों, बुद्धिजीवियों और आम जनता को लोकतंत्र से जुड़े मुद्दों पर अपनी बात रखने का मौका मिलेगा। उन्होंने इन कार्यक्रमों में अधिक से अधिक लोगों से शामिल होने की अपील की।

उन्होंने कहा कि 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' अभियान के तहत नागपुर में 2 से 5 नवंबर तक कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

## लोकतंत्र की रक्षा के लिए अब कुरुक्षेत्र की लड़ाई लड़नी होगी: तेजस्वी यादव

**पटना।** राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित इंडी गठबंधन की महारैली में केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की मांग की। तेजस्वी ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए अब कुरुक्षेत्र की लड़ाई लड़नी पड़ेगी। तेजस्वी यादव ने रामलीला मैदान में महाभारत का जिक्र करते हुए कहा कि इस मैदान में आमतौर पर रामायण के लिए आयोजन होता है, लेकिन आज यहां वोट चोरों के खिलाफ महाभारत का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि महाभारत की शुरूआत रणभूमि से नहीं, बल्कि जुए से हुई थी। शकुनि ने जिस तरह अपना खेल खेला था, उसी तरह आज भी लोकतंत्र के साथ खेल हो रहा है। जब शकुनि अपना खेल खेल रहा है तो हमें कुरुक्षेत्र की लड़ाई लड़नी पड़ेगी। तेजस्वी ने कहा कि ज्ञानेश कुमार पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल में डालना चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति देश के लोकतंत्र को खत्म करने और संविधान के साथ छेड़छाड़ करने की हिम्मत न करे। लोकतंत्र की जननी बिहार से ही मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की शुरूआत की गई। उन्होंने टीसीएस टेंडर घोटाले का भी जिक्र किया और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निशाना साधते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई में उसका कोई योगदान नहीं था।

# पीएम मोदी के नेतृत्व में अयोध्या की प्राचीन गरिमा को मिला आधुनिक विकास का नया विस्तार: मुख्यमंत्री

एजेंसी, लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या की प्राचीन गरिमा को आधुनिक विकास का नया विस्तार मिला है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में बढ़ता पर्यटन, व्यापार को संबल दे रहा है, नए अवसर युवाओं को रोजगार से जोड़ रहे हैं और स्थानीय परिवार समृद्धि की नई आशाएं संजो रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, "अयोध्या सभ्यता की जन्मभूमि, संस्कृति की प्राणधारा और आस्था की शाश्वत ज्योति है। किंतु वर्ष 2017 से पहले यह दिव्य नगरी उपेक्षा, अव्यवस्था और तुष्टीकरण का तेजाबी दंश सहने के लिए विवश थी। श्रद्धालुओं की यात्रा कठिन, नगर की व्यवस्थाएं जर्जर और स्थानीय परिवारों की संभावनाएं सीमित थीं।" उन्होंने आगे लिखा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या की प्राचीन गरिमा



को आधुनिक विकास का नया विस्तार मिला है। भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर से लेकर राम पथ, धर्म पथ, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और आधुनिक रेलवे स्टेशन तक, हर निर्माण श्रद्धालुओं की सुविधा एवं राम नगरी के गौरव से जुड़ा है। इस परिवर्तन का प्रकाश अयोध्या वासियों के घर-आंगन तक पहुंच रहा है। बढ़ता पर्यटन, व्यापार को संबल दे रहा है, नए अवसर युवाओं को रोजगार से जोड़ रहे हैं और स्थानीय परिवार समृद्धि की नई आशाएं संजो रहे हैं।"

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कभी विकास की प्रतीक्षा करती अयोध्या आज अपनी विरासत के साथ प्रगति का नया अध्याय लिख रही है। असंख्य सनातनियों की आस्था, अस्मिता और आराधना का यह केंद्र आज 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' के संकल्प को साकार करते हुए सांस्कृतिक चेतना और समृद्धि का उज्ज्वल प्रतीक बन गया है।

एक अन्य पोस्ट में सीएम योगी ने जानकारी दी कि रविवार को गोरखपुर के चौरी चौरा विधानसभा क्षेत्र में 287 करोड़ रुपए से अधिक लागत से चौरी चौरा-भोपा बाजार-मुण्डेरा बाजार-सोनबरसा मार्ग पर समपार संख्या 147-बी पर रेल उपरिगामी सेतु सहित 84 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास होगा। उन्होंने बताया कि 495 करोड़ रुपए से अधिक लागत की गोड़धोइया नाला परियोजना का प्रथम चरण जनता को समर्पित किया जाएगा, जबकि 880 करोड़ रुपए से अधिक लागत से इसके द्वितीय चरण, गोरखपुर सीवरेज योजना के जोन ए-3 और प्रस्तावित सर्विस रोड की आधारशिला रखी जाएगी।

# डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के युवोत्सव का भव्य समापन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय युवा महोत्सव (युवोत्सव) 2026-27 का रविवार को खंदारी परिसर स्थित शिवाजी मंडपम् में भव्य समापन हुआ। तीन दिनों तक चले इस महाकुंभ में विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों और संबद्ध महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक, साहित्यिक, बौद्धिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में सर्वाधिक पुरस्कार प्राप्त कर आगरा कॉलेज ने ह्यस्व. जितेन्द्र रघुवंशी चल वैजयंती ट्रॉफीह्न पर अपना कब्जा जमाया।

जीवन में केवल स्थान के पीछे नहीं, बल्कि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए दौड़ें: कुलपति

समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशु रानी ने सभी प्रतिभागियों, विजेताओं और आयोजन से जुड़े शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों से विश्वविद्यालय परिसर सांस्कृतिक, साहित्यिक, ऐतिहासिक और वैज्ञानिक गतिविधियों से सराबोर रहा। शिवाजी मंडपम् में आयोजित यह युवोत्सव युवाओं के जोश और ऊर्जा का मुख्य केंद्र रहा। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में केवल प्रथम, द्वितीय या तृतीय स्थान पाने की होड़ में नहीं रहना चाहिए, बल्कि हर प्रतियोगिता में अपना शत-प्रतिशत और सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए। हर एक प्रतिभागी महत्वपूर्ण होता है और उसकी सक्रिय सहभागिता ही आयोजन की असली सफलता है। उन्होंने पूर्ण विश्वास जताया कि यहाँ के विजेता प्रतिभागी



आगामी अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालयी (अक्ष) प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय का मान बढ़ाएंगे और पदक जीतकर लौटेंगे।

इस तीन दिवसीय युवा महोत्सव का सफल आयोजन डीन स्टूडेंट वेलफेयर (ऊह) प्रो. भूपेंद्र स्वरूप शर्मा के निर्देशन, मार्गदर्शन और समन्वय में संपन्न हुआ। इस बार विश्वविद्यालय की ओर से एक विशेष पहल करते हुए उत्कृष्ट स्थान पाने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ सराहनीय प्रदर्शन करने वाले अन्य प्रतिभागियों को भी सांत्वना प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के अंतिम दिन के परिणाम

युवोत्सव के अंतिम दिन (1 नवंबर) आयोजित विभिन्न स्पधाओं के परिणाम इस प्रकार रहे–

स्किट प्रतियोगिता: आगरा कॉलेज प्रथम, सेंट जॉन्स कॉलेज द्वितीय तथा आर.बी.एस. कॉलेज तृतीय स्थान पर रहा।

- आगरा कॉलेज ने जीती ह्यस्व. जितेन्द्र रघुवंशी चल वैजयंती ट्रॉफीह्न, विद्यार्थियों ने बिखेरी प्रतिभा की चमक
- शताब्दी वर्ष के अंतर्गत शिवाजी मंडपम् में आयोजित हुआ तीन दिवसीय युवा महोत्सव; कुलपति प्रो. आशु रानी ने मेधावी छात्र-छात्राओं का बढ़ाया हौसला

एकांकी नाटक प्रतियोगिता: आर.बी.एस. कॉलेज ने प्रथम, आगरा कॉलेज ने द्वितीय और सेंट जॉन्स कॉलेज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

क्विज प्रतियोगिता: आगरा कॉलेज के सजल जैन प्रथम, संस्कृति भवन के इतिहास विभाग के हर्षित पचौरी द्वितीय तथा आर.बी.एस. कॉलेज के सोनू शर्मा तृतीय स्थान पर रहे।

अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता: सेंट जॉन्स की आयशा राशिद प्रथम, आर.बी.एस. की स्नेहा चौधरी द्वितीय और आगरा कॉलेज की इला शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। टीम स्पर्धा में आर.बी.एस. कॉलेज विजेता बना।

माइम (मूक अभिनय) प्रतियोगिता: सेंट जॉन्स कॉलेज की टीम ने प्रथम, आर.बी.एस. कॉलेज ने द्वितीय तथा ललित कला संस्थान (संस्कृति भवन) ने तृतीय स्थान हासिल किया।

लोक नृत्य समूह प्रतियोगिता: आर.बी.एस. कॉलेज की टीम प्रथम, आगरा कॉलेज द्वितीय तथा बैकुंठी देवी कन्या महाविद्यालय तृतीय स्थान पर रहा।

भव्य सम्मान समारोह और आभार प्रदर्शन

समारोह के दौरान कुलपति प्रो. आशु रानी और अन्य मंचासीन अतिथियों ने सभी विजेता छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर प्रो. रजनीश अग्निहोत्री, डॉ. अखिलेश चंद सक्सेना, प्रो. शरद चंद उपाध्याय, प्रो. बृजेश रावत, प्रो. बिंदु शेखर शर्मा, डॉ. राजेश कुशवाहा, डॉ. रत्ना पाण्डेय, डॉ. रुचिरा प्रसाद सहित विश्वविद्यालय के तमाम शिक्षक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में प्रो. बृजेश रावत ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कुलपति, आयोजकों, शिक्षकों, निर्णायक मंडल और विभिन्न समितियों के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। समापन समारोह का संचालन डॉ. नीलू सिन्हा ने किया, जबकि प्रतियोगिताओं के परिणाम डॉ. विजय शर्मा ने घोषित किए। इस तीन दिवसीय आयोजन ने विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष में युवाओं की रचनात्मकता और ऊर्जा को एक नया और सशक्त मंच प्रदान किया है।

# आगरा यूनिवर्सिटी में ICMRP-2026 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का भव्य समापन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय तृतीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ऑन मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड प्रैक्टिस का रविवार को भव्य समापन हो गया। विश्वविद्यालय के खंदारी परिसर स्थित जे.पी. ऑडिटोरियम में आयोजित इस समापन समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. आशु रानी ने की। समारोह में एडवोकेट दीपक माहेश्वरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद आयोजन समिति ने तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की रिपोर्ट और उसकी प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।



शोध और नवाचार ही 'विकसित भारत' का आधार: योगेंद्र उपाध्याय

मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि शोध, शिक्षा और नवाचार किसी भी राष्ट्र की प्रगति के सबसे महत्वपूर्ण आधार हैं। विश्वविद्यालयों में आयोजित होने वाले ऐसे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन विद्यार्थियों और शोधार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, नए विचारों का आदान-प्रदान करने तथा वैश्विक स्तर पर शैक्षणिक संवाद स्थापित करने का बेहतरीन अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि देश के 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने में अनुसंधान और नवाचार की भूमिका सबसे अहम होगी।

कुलपति प्रो. आशु रानी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय का यह शताब्दी वर्ष शैक्षणिक उपलब्धियों और नए संकल्पों का प्रतीक है। क्वटफह्न-2026 के माध्यम से देश-विदेश के विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और शोधार्थियों को एक साझा मंच प्राप्त हुआ है। ऐसे आयोजन उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के साथ-साथ शोध की

- कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बांटे पुरस्कार, शोध और नवाचार को बताया देश की प्रगति का आधार
- खंदारी परिसर के जे.पी. ऑडिटोरियम में हुआ तीन दिवसीय आयोजन; कुलपति प्रो. आशु रानी की अध्यक्षता में मेधावी शोधार्थियों और प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

नई संभावनाओं को भी तीव्र गति से प्रोत्साहित करते हैं।

**उत्कृष्ट शोधार्थियों और प्रतिभागियों को मिले पुरस्कार**

तीन दिनों तक चले इस अंतरराष्ट्रीय महाकुंभ में देश-विदेश से आए शोधार्थियों ने सतत अंतिम चरण में विभिन्न सत्रों में प्रस्तुत किए गए शोधपत्रों, पोस्टर प्रतियोगिताओं और वर्किंग मॉडल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले मेधावी शोधार्थियों और प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस आयोजन को सफल बनाने में सम्मेलन की संयोजक डॉ. मोनिका अस्थाना, डॉ. रवि शेखर और डॉ. प्रतिभा मिश्रा की अहम भूमिका रही। इसके अलावा फामेर्सी विभाग से डॉ. स्वेतलाना (जिन्होंने मंच का सफल संचालन भी किया), सह-सचिव डॉ. गौरव रजौरिया, जीव विज्ञान से डॉ. अजीत चाहर, नीलम ग्रुप्स से पवन सिंह, कौशांबी फाउंडेशन से तुषार चौधरी, योशिल, कृष्णा शर्मा, यतिन वर्मा और ट्विंकल दीक्षित ने व्यवस्थाओं में पूरा सहयोग दिया। कार्यक्रम के अंत में लक्ष्य चौधरी ने सभी का आभार व्यक्त किया और धन्यवाद ज्ञापित किया।

# 10 किलो वजन पीठ पर लादकर 24 घंटे में 150 किलोमीटर दौड़ने निकले आगरा के अनुराग चौधरी

**गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य, कैमरे से 24 घंटे रहेगी नजर**

टीएनएफ टुडे, आगरा।

खेल के प्रति जुनून, अटूट इच्छाशक्ति और कुछ कर गुजरने के जज्बे के साथ आगरा के युवा हाइब्रिड एथलीट अनुराग चौधरी रविवार सुबह 11 बजे दयालबाग स्थित एकल पाठशाला से 150 किलोमीटर की चुनौती पूरी करने के लिए दौड़ पड़े। दौड़ की शुरूआत पार्षद भरत शर्मा, प्रधान महेंद्र सिंह, सत्यवीर सिंह, देवेन्द्र सिंह, भरत महाजन और एक पहल संस्था के महासचिव मनीष राय ने हरी झण्डी दिखा कर की।

अनुराग चौधरी एक उभरते हुए हाइब्रिड एथलीट और अंतरराष्ट्रीय स्तर के धावक हैं। उनका लक्ष्य 24 घंटे के भीतर यह दूरी तय कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराना है। इस चुनौती को और भी कठिन बनाते हुए अनुराग अपनी पूरी दौड़ के दौरान पीठ पर 10



किलोग्राम वजन का बैकपैक लेकर दौड़ रहे हैं। उन्हें दौड़ पूरी करते हुए हरियाणा के पलवल तक पहुंचना है। इससे पहले भी वह कई खेल प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन कर चुके हैं। स्पीति मैराथन में उन्होंने लगभग 77 किलोमीटर की कठिन दौड़ पूरी कर अपनी सहनशक्ति का परिचय दिया था।

अनुराग का यह प्रयास केवल व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके जरिए वह युवाओं को शारीरिक फिटनेस, अनुशासन, आत्मविश्वास और विपरीत परिस्थितियों में हार न मानने का संदेश भी देना चाहते हैं। अब देखना होगा कि 24 घंटे की इस कठिन परीक्षा में अनुराग अपने लक्ष्य को हासिल कर इतिहास रच पाते हैं या नहीं। अनुराग पर 24 घंटे कैमरे से नजर रखी जाएगी। इस अवसर पर वैशाली, अंकित खण्डेलवाल, बंटी सचदेवा, कुणाल गुप्ता, विपिन शर्मा, बी.ड़ी. शर्मा, सिद्धार्थ राजपूत, चेतन पाठक, आशीष गुप्ता, दिनेश, सौरभ आदि मौजूद रहे।

# यूनिफेस्ट-2026: आगरा कॉलेज बना ओवरऑल चैंपियन



- जीती प्रतिष्ठित 'जितेंद्र रघुवंशी चल वैजयंती ट्रॉफी'
- छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रतियोगिताओं में बिखेरा जलवा; 69 अंक हासिल कर लहराया परचम

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतरमहाविद्यालयीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता 'यूनिफेस्ट-2026-27' में आगरा कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा और उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर इतिहास रच दिया है। कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 69 अंक अर्जित किए और 'ओवरऑल चैंपियन' का खिताब अपने नाम करते हुए प्रतिष्ठित ह्यजितेंद्र रघुवंशी चल वैजयंती ट्रॉफीह्न पर कब्जा जमा लिया।

विश्वविद्यालय परिसर में 30, 31 अक्टूबर और 1 नवंबर 2026 को आयोजित इस महाकुंभ में आगरा कॉलेज के विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक और रचनात्मक प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी कला का लोहा मनवाया।

प्राचार्य और शिक्षकों ने दी बधाई

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सी. के. गौतम ने सभी विजेता छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के उत्कृष्ट मार्गदर्शन का परिणाम है। इस ऐतिहासिक सफलता में कॉलेज की सांस्कृतिक समिति की प्रमुख भूमिका रही, जिसमें प्रो. शेफाली चतुर्वेदी, प्रो. रीता देव और प्रो. रीता निगम ने विद्यार्थियों को तराशने में अहम योगदान दिया।

कॉलेज के इस शानदार प्रदर्शन से पूरे परिसर में शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं में भारी उत्साह और जश्न का माहौल है। इस जीत ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि आगरा कॉलेज पढ़ाई के साथ-साथ सह-पाठ्यचर्या और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी अग्रणी है।



## वन माफियाओं ने काटे हरे पेड़, वीडियो-फोटो वायरल

**फतेहाबाद।** तहसील फतेहाबाद क्षेत्र के गांव पतैयापुरा में वन माफियाओं ने हरे दो नीम के पेड़ काटे, वीडियो-फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने से वन विभाग की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। तहसील फतेहाबाद क्षेत्र में वन माफियाओं के द्वारा आए दिन हरे पेड़ों पर आरी चलाकर जमींदोज किया जा रहा है। लेकिन वन विभाग के द्वारा वन माफियाओं के विरुद्ध कोई कठोर कार्रवाई न करने के चलते वन माफियाओं के हौसले बुलंद है। जहां आए दिन हरे पेड़ काटे जाने के वीडियो फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। जहां वन विभाग एक ही बात तो कह कर पल्ला झाड़ देता है कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ताजा मामला फतेहाबाद क्षेत्र के गांव पतैयापुरा का है जहां वन माफियाओं ने दो हरे नीम के विशालकाय पेड़ों को काटकर जमींदोज कर दिया जिसके किसी ने फोटो-वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिए जो वायरल हो रहे हैं वहीं लोगों का कहना है कि फतेहाबाद क्षेत्र में आए दिन वन माफिया हरे पेड़ों को काट

# मातृशक्ति संगठन की रीढ़: डॉ. मेधा कुलकर्णी

**2027 के चुनाव में पुनः भगवा लहराने के लिए महिला मोर्चा की दिए टिप्स**

टीएनएफ टुडे, आगरा।

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ब्रज क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक रविवार को आगरा के महाजन भवन, जयपुर हाउस में आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती और भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर संगठन की कार्ययोजना और महिलाओं की सहभागिता पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महिला मोर्चा, प्रदेश सह प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद डॉ. मेधा कुलकर्णी, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष सरोज कुशवाहा तथा ब्रज क्षेत्र महिला मोर्चा की अध्यक्ष चंद्रेश गुप्ता की गरिमामय उपस्थिति रही।

मंच पर कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य निर्मला दीक्षित, जिला पंचायत



- राज्यसभा सांसद डॉ. मेधा कुलकर्णी, प्रदेश अध्यक्ष सरोज कुशवाहा और कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य रहीं मौजूद

अध्यक्ष डॉ. मंजू भदौरिया, आगरा की महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाहा, प्रदेश उपाध्यक्ष अपराजिता, निधि चतुर्वेदी, मैनपुरी की चेयरपर्सन संगीता, मैनपुरी जिला पंचायत अध्यक्ष अर्चना और महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री रश्मि धाकड़ सहित कई प्रमुख नेत्री मौजूद रहीं। कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष मनीषा सिंह और महानगर अध्यक्ष अपूर्वा सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

**मातृशक्ति संगठन की रीढ़: डॉ. मेधा कुलकर्णी**

मुख्य अतिथि डॉ. मेधा कुलकर्णी ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिला मोर्चा संगठन की असली रीढ़ है। हमें बूथ स्तर तक मातृशक्ति को जोड़कर वर्ष 2027 के चुनावों के लिए संगठन को और अधिक सुदृढ़ बनाना होगा।

प्रदेश अध्यक्ष सरोज कुशवाहा ने कहा कि ब्रज क्षेत्र की महिलाओं ने हमेशा पार्टी को मजबूती प्रदान की है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लेकर उज्ज्वला योजना और लखपति दीदी जैसी कल्याणकारी योजनाओं ने आज महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाया है। ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष चंद्रेश गुप्ता ने आह्वान किया कि हम सभी को केंद्र और प्रदेश सरकार की इन महिला हितैषी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना है।

जिलाध्यक्ष मनीषा सिंह ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस समन्वय बैठक का मुख्य उद्देश्य जिला और मंडल स्तर की कार्यकताओं में बेहतर तालमेल बिठाकर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना है।

इस अवसर पर उपमा गुप्ता, रंजन पवार, सुनीता सारस्वत, हेमलता अग्रवाल, प्रवीण राजावत, पंकजा शर्मा, प्रतिमा राणा, भावना वरदान शर्मा, आशा अग्रवाल, अनुपम चौहान, सरिता गुप्ता और पूजा शर्मा सहित बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की कार्यकर्ता और पदाधिकारी उत्साह के साथ उपस्थित रहीं। सभी ने वर्ष 2027 में प्रदेश में पुनः भाजपा की सरकार बनाने का संकल्प लिया।



## कानपुर फॉरेस्ट ट्रेनिंग सेंटर से पहुंचे 50 वन दरोगाओं ने किया लुहारी स्थित प्लांटेशन का निरीक्षण

**फतेहाबाद।** कानपुर स्थित फॉरेस्ट ट्रेनिंग सेंटर से करीब 50 वन दरोगाओं का दल रविवार को फतेहाबाद पहुंचा। जहां प्रशिक्षु वनकर्मियों ने लुहारी स्थित वन विभाग की ओर से कराए गए पौधरोपण का निरीक्षण किया। इस दौरान वन दरोगाओं ने पौधों की स्थिति, उनकी देखरेख और संरक्षण से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रविवार को कानपुर फॉरेस्ट ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे करीब 50 वन दरोगा व प्रशिक्षकों का एक दल अध्ययन भ्रमण के तहत फतेहाबाद के लुहारी स्थित पौधशाला में पहुंचे। यहां उन्होंने कैंपस में किए गए पौधरोपण को देखा और पौधों के विकास की स्थिति का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान वन क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने, पौधों को सुरक्षित रखने तथा उनकी नियमित देखभाल से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी भी प्राप्त की। वन क्षेत्राधिकारी फतेहाबाद विशाल राठौर से बात करने पर बताया कि कानपुर से वन दरोगाओं व प्रशिक्षकों का एक दल लुहारी स्थिति पौधशाला में अध्ययन करने के लिए आए थे जिनको पौधाशाला व पौधों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

# कांग्रेस पर बरसीं आगरा की मेयर हेमलता दिवाकर

**राहुल-प्रियंका की राजनीति को बताया 'चुनावी', कहा–वोट चोरी के आरोप बेबुनियाद**

जानवी सिंह।

**आगरा।** भाजपा ब्रज क्षेत्र कार्यालय पर आयोजित महिला मोर्चा की बैठक के दौरान आगरा की मेयर हेमलता दिवाकर ने कांग्रेस पार्टी और उसके शीर्ष नेतृत्व पर तीखा हमला बोला। टीएनएफ टुडे की संवाददाता जानवी सिंह से बातचीत करते हुए उन्होंने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा की जनसंपर्क राजनीति पर गंभीर सवाल उठाए और कहा कि कांग्रेस के ये नेता आम जनता के बीच केवल चुनाव के समय ही सक्रिय दिखाई देते हैं।

मेयर हेमलता दिवाकर ने राहुल



गांधी पर देश के युवाओं को भ्रमित करने का खुला आरोप लगाया। उन्होंने संसद के एक मॉक सत्र के दौरान मल्लिकार्जुन खरगे के संबोधन के वक्त राहुल गांधी द्वारा मोबाइल देखने के प्रसंग का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। इसके साथ ही, कांग्रेस द्वारा

- भाजपा ब्रज क्षेत्र कार्यालय पर महिला मोर्चा की बैठक में बोलीं मेयर, आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर महिलाओं को सौंपी गई नई कार्ययोजना और रणनीति

लगाए जा रहे 'वोट चोरी' के आरोपों पर पलटवार करते हुए उन्होंने दो टूक कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी वोट चोरी करती, तो आज देश के सभी राज्यों में भाजपा की ही सरकार होती। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को देश के सर्वांगीण विकास पर पूरी तरह केंद्रित बताया।

बैठक के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी की महिला कार्यकताओं और पदाधिकारियों को संगठन की नई कार्ययोजना और रणनीतियों से परिचित कराना है। महिलाओं को समाज का अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए उन्होंने संगठन में उनकी सक्रिय भागीदारी और संख्या बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।

इस दौरान उन्होंने ब्रज क्षेत्र के विभिन्न जिलों से बैठक में शामिल होने आए सभी पदाधिकारियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और कार्यक्रम की सफलता की पूरी कामना की।

## विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, मायका पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

**फतेहाबाद।** थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव बेगमपुर की विवाहिता की आगरा के मधुनगर में रविवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायका पक्ष ने ससुरालियों पर अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर फांसी लगाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। ससुरालीजन शव लेकर अंतिम संस्कार के लिए गांव पहुंचे थे। इसकी जानकारी मिलने पर मायका पक्ष के लोग भी गांव पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव बरना निवासी ओमकार ने बताया कि फरवरी 2023 में उसने अपनी 22 वर्षीय बहन शिवानी की शादी गांव बेगमपुर निवासी आशीष पुत्र बलवान सिंह के साथ की थी। शादी के बाद से ही ससुरालीजन अतिरिक्त दहेज में रुपये और सामान की मांग करने लगे थे। मांग पूरी न होने पर बहन के साथ आए दिन मारपीट कर उसका उत्पीड़न किया जाता था। इसको लेकर कई बार पंचायत भी हुई, लेकिन ससुरालियों के व्यवहार में सुधार नहीं हुआ। ओमकार का आरोप है कि रविवार सुबह ससुरालियों ने उसकी बहन की फांसी लगाकर हत्या कर दी। इसके बाद वे शव को लेकर गांव बेगमपुर अंतिम संस्कार करने पहुंचे थे। जानकारी मिलने पर मायका पक्ष के लोग गांव पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। इस दौरान पति और अन्य ससुरालीजन शव छोड़कर मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची फतेहाबाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।परिजनों ने बताया कि मृतका की डेढ़ साल की बेटी माही है। मां की मौत से मासूम के सिर से मां का साया उठ गया है। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday tnftoday

www.tnftoday.com / epaper



## इंडिया गठबंधन की महारैली में समर्थकों के साथ पहुंचे सपा नेता राजेश कुमार शर्मा



टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

- मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग उठाई, लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता का मुद्दा उठाया

दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की ओर से आयोजित महारैली में फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र के सपा नेता राजेश कुमार शर्मा समर्थकों के काफिले के साथ शामिल हुए। रैली में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के साथ निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं की जवाबदेही का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। महारैली में विपक्षी दलों के नेताओं और कार्यकताओं की भारी भीड़ उमड़ी। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के रामलीला मैदान पहुंचने पर कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। आगरा से पहुंचे समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। अखिलेश यादव ने भी हाथ हिलाकर कार्यकताओं का अभिवादन किया।

इस मौके पर राजेश कुमार शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती और पारदर्शी चुनाव व्यवस्था के लिए संवैधानिक संस्थाओं का निष्पक्ष होना जरूरी है। रामलीला मैदान में उमड़ा जनसैलाब लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के प्रति विपक्ष की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस दौरान संजय कुमार शर्मा, अनुज प्रताप यादव, चिराग तोमर, आशीष शर्मा, शाहरुख खान, अमन शेखर, अनस खान, भावेश यादव, अमन शर्मा, मयंक यादव, मृणाल मिश्रा और सूरज कुमार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# लंका दहन के अद्भुत मंचन से गूंजा रामलीला परिसर

## जय श्रीराम के जयकारों से भक्तिमय हुआ माहौल; विभीषण की शरणागति ने दिया धर्म और सत्य का संदेश

टीएनएफ टुडे, आगरा।



- हनुमान जी ने सोने की लंका को किया अग्नि के हवाले, रावण के अहंकार को दी चुनौती; प्रभु श्रीराम की शरण में पहुंचे विभीषण, रोमांचक दृश्यों ने बांधा समां
- लक्ष्मण शक्ति से लेकर रावण की सेना के महाविनाश तक, आज रामलीला में दिखेगा महासंग्राम

आगरा के ट्रांस यमुना कॉलोनी फेस-2 स्थित श्री रामलीला पार्क में आयोजित श्री रामलीला महोत्सव में रविवार को लंका दहन एवं विभीषण-शरणागति प्रसंग का भव्य और मनमोहक मंचन किया गया। मंचन के दौरान श्रद्धालु भक्ति, उत्साह और रोमांच से सराबोर नजर आए। हनुमान जी के पराक्रम और लंका दहन के अद्भुत दृश्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरा रामलीला परिसर जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयकारों से गूंज उठा।मंचन में दिखाया गया कि माता सीता की खोज करते हुए हनुमान जी समुद्र पार कर लंका पहुंचते हैं। वहां अशोक वाटिका में माता सीता को प्रभु श्रीराम की मुद्रिका देकर उन्हें शीघ्र मुक्त कराने का विश्वास दिलाते हैं। इसके बाद हनुमान जी अशोक वाटिका में फल खाते हैं और राक्षसों का संहार करते हैं। अशोक वाटिका में मचाए गए उत्पात से क्रोधित रावण अपने सैनिकों को हनुमान जी को बंदी बनाने का आदेश देता है। मेघनाद द्वारा ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किए जाने पर हनुमान जी स्वयं को बंदी बना लेते हैं और उन्हें रावण के दरबार में प्रस्तुत किया जाता है। रावण के दरबार में हनुमान जी निर्भीक होकर प्रभु श्रीराम का संदेश सुनाते हुए माता सीता को सम्मानपूर्वक लौटाने की सलाह देते हैं, लेकिन अहंकार में डूबा रावण उनकी बात मानने से इनकार कर देता है। क्रोधित रावण हनुमान जी की पूंछ में आग लगाने का आदेश देता है। इसके बाद हनुमान जी अपनी जलती हुई पूंछ से सोने की लंका को आग के हवाले कर देते हैं। देखते ही देखते लंका धधक उठती है। लंका दहन के इन रोमांचक और अद्भुत दृश्यों को देखकर दर्शक उत्साह से झूम उठे और जय श्रीराम के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। इसके बाद विभीषण-शरणागति का भावपूर्ण प्रसंग प्रस्तुत किया गया। रावण द्वारा प्रभु श्रीराम का विरोध करने और माता सीता को वापस न लौटाने पर विभीषण उसे नीति, मर्यादा और धर्म का मार्ग अपनाने की सलाह देते हैं। वह रावण को समझाते हैं कि प्रभु श्रीराम से शत्रुता करना उचित नहीं है, लेकिन अहंकार में चूर रावण उनकी एक नहीं सुनता और उन्हें अपमानित कर लंका से निकाल देता है। इसके बाद विभीषण लंका त्यागकर प्रभु श्रीराम की शरण में पहुंचते हैं। प्रभु श्रीराम उन्हें सम्मानपूर्वक शरण देते हुए शरणागत की रक्षा, धर्म और मर्यादा का आदर्श प्रस्तुत करते हैं।रामलीला के इन दोनों प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को महत्वपूर्ण संदेश दिया कि अहंकार और अधर्म का अंत निश्चित है, जबकि सत्य, भक्ति और धर्म के मार्ग पर चलने वालों की सदैव विजय होती है। हनुमान जी के अद्भुत पराक्रम और विभीषण की धर्म के प्रति निष्ठा ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। श्री बाल हनुमान आदर्श रामलीला मंडल के संचालक पं. दिनेश चंद्र शास्त्री महाराज एवं मंडली के कलाकारों द्वारा प्रसंगों का प्रभावशाली मंचन किया गया।* कार्यक्रम में श्री रामलीला महोत्सव के संस्थापक श्री बालकिशन गुप्ता, प्रदीप शर्मा, कृष्णवीर सिंह सिकरवार एवं अध्यक्ष श्री गिर्राज प्रसाद पाठक सहित डॉ. नौनीहाल कुशवाह, लक्ष्मीकांत उपाध्याय, देवेंद्र गुप्ता, पप्पू गहलोत, राकेश चौहान, हरिविलास यादव, ओमप्रकाश कुशवाह, वीरेंद्र चौधरी, शेर सिंह कुशवाह एवं योगेश यादव, चौधरी दिनेश सिंह, पंडित सोनू शर्मा,की गरिमामयी उपस्थिति रही।

# डांडिया की खनक और कॉमेडी के ठहाके से गूंजा का दीपोत्सव

## लायंस क्लब आगरा सर्वोत्तम के दीपावली उत्सव में खूब हुई आतिशबाजी

**आगरा।** लायंस क्लब आगरा सर्वोत्तम की ओर से दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन दयालबाग स्थित येलो सर्कल फार्म हाउस पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान के साथ मां लक्ष्मी और भगवान गणेश के पूजन से हुआ।

अध्यक्ष सीए दिनेश गुप्ता ने कहा कि दीपावली खुशियों, उल्लास और आपसी प्रेम का पर्व है। कार्यक्रम में महिलाओं ने बॉलीवुड गीतों की धुन पर डांडिया




स्टिक के साथ शानदार नृत्य प्रस्तुत कर खूब धमाल मचाया। वहीं, डॉ. प्रदीप चावला ने स्टैंडअप कॉमेडी के माध्यम से अपनी हास्य प्रस्तुतियों से सभी को खूब गुदगुदाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण म्यूजिकल बैंड रहा।

सचिव प्रदीप अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष ऋषि गुप्ता ने बताया कि दीपोत्सव के अवसर पर खुले मैदान में आतिशबाजी की गई। सभी सदस्यों ने एक परिवार के रूप में एक साथ दीपावली की खुशियां मनाईं। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक सीए संजय मेहरा, संदीप गोयल, डॉ. समीर प्रकाश गुप्ता, सीए संजय अग्रवाल, राजीव बंसल, सीमा गुप्ता, महेश छाबड़ा कल्पना अग्रवाल, मधु गुप्ता, डॉ. रश्मि सिंघल, श्वेता छाबड़ा, वंदना तिवारी, मनीष चुग आदि मौजूद रहे।

# दिवाली से पहले झुनझुना बजाकर सोये जनप्रतिनिधियों को जगाया!

## यमुना की बदहाली पर रिवर एक्टिविस्ट्स का अनोखा विरोध, गूंजा नारा-आगरा को क्या मिला? झुनझुना, झुनझुना!

टीएनएफ टुडे, आगरा।




दिवाली का त्योहार आने वाला है। बाजारों में रौनक है, शहर में उत्सव की तैयारी है। लेकिन यमुना की बदहाली पर सरकारी तंत्र की नींद टूटने का नाम नहीं ले रही। आखिर जनप्रतिनिधियों को जगाने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है? झुनझुना बजाकर उन्हें उनकी जिम्मेदारियां याद दिलाई जाएं!

इसी मकसद से रिवर कनेक्ट कैंपेन, आगरा के सदस्यों ने आज यमुना आरती स्थल पर अनोखे अंदाज में 'झुनझुना दिवस' मनाया। सदस्यों ने झुनझुने बजाकर यमुना के प्रति सरकारी बेरुखी और राजनीतिक उदासीनता का प्रतीकात्मक विरोध किया। इस दौरान नारे गूंजे झ ₹आगरा को क्या मिला? झुनझुना, झुनझुना !₹

रिवर कनेक्ट कैंपेन के संयोजक बृज खंडेलवाल ने कहा कि वर्षों से संगठन यमुना के पुनर्जीवन की मांग उठा रहा है। सूखी और प्रदूषित यमुना में सालभर ताजे पानी का अविरल प्रवाह सुनिश्चित किया जाए। ताजमहल के डाउनस्ट्रीम में बैराज बनाया जाए। नदी की तलहटी की गाद और गंदगी हटाकर सफाई कराई जाए। यमुना नदी बेसिन की सहायक नदियों का संरक्षण हो और रिवरफ्रंट का विकास साबरमती नदी मॉडल पर किया जाए।

उन्होंने कहा कि अनेक घोषणाओं और वायदों के बावजूद यमुना की हालत में कोई ठोस सुधार नहीं हुआ है। सरकारी विभागों और राजनीतिक नेतृत्व की यह बेरुखी आगरा के नागरिकों के लिए बेहद पीड़ादायक है।

कार्यक्रम में डॉ. देवाशीष भट्टाचार्य ने उम्मीद जताई कि अगले विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश की भाजपा सरकार यमुना पर बैराज निर्माण का काम शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि यमुना केवल एक नदी नहीं, बल्कि समूचे ब्रज मंडल की जीवनरेखा है। इसके संरक्षण के लिए अब ठोस और समयबद्ध कदम उठाने की जरूरत है।

आयोजकों ने स्पष्ट किया कि झुनझुना दिवस किसी उत्सव का हिस्सा नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों को उनके चुनावी वायदों और सार्वजनिक जिम्मेदारियों की याद दिलाने का शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रयास है। संदेश साफ है: आगरा को आश्वासन नहीं, यमुना को पानी चाहिए।

आज के कार्यक्रम में डॉ देवाशीष भट्टाचार्य, ऊ हरेंद्र गुप्ता, चतुर्भुज तिवारी मीरा खंडेलवाल, डॉ ज्योति खंडेलवाल, विशाल झा, राकेश गुप्ता, जगन प्रसाद तेहरिया , पंडित जुगल किशोर, अभिनव, डॉ मुकुल पंड्या, पद्मिनी अय्यर, शशिकांत उपाध्याय, रंजन शर्मा, मुकेश चौधरी, दिनेश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में गोस्वामी नंदन श्रोत्रिय ने विशेष यमुना आरती कराई। उपस्थित सदस्यों ने यमुना के पुनर्जीवन और ब्रज की प्राकृतिक विरासत के संरक्षण का संकल्प दोहराया।



## आगरा में खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

**आगरा।** आगामी त्योहारों के मद्देनजर आम जनमानस को शुद्ध, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने आगरा जनपद में ताबड़तोड़ अभियान चलाया है। इस विशेष प्रवर्तन कार्रवाई के तहत विभाग ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से कुल 8 नमूने (सैंपल) संग्रहित किए हैं, जबकि लगभग 940 किलोग्राम अमानक व संदिग्ध पनीर और मावा मौके पर नष्ट कराया गया है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की इस बड़ी कार्रवाई से मिलावटखोरों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों का कहना है कि त्योहारी सीजन के दौरान मिलावट की आशंका को देखते हुए यह अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि आम जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों पर शिकंजा कसा जा सके। संग्रहित किए गए सभी 8 नमूनों को परीक्षण के लिए राजकीय प्रयोगशाला भेजा जा रहा है, और रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कठोर विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

# दो दशक बाद फिर गूंजेगा रंगमंच!

## सूरसदन में सजेगा 24वां श्रद्धांजलि नाट्य समारोह

- 2003 के बाद थम गया था आयोजन, पिछले साल फिर हुई शुरूआत
- दिवंगत रंगकर्मियों की स्मृति में होगा दो दिवसीय नाट्य महोत्सव
- वरिष्ठ कलाकार को 'रंग पुरोधा', युवा प्रतिभा को 'रंग प्रहरी' सम्मान

टीएनएफ टुडे, आगरा।




शहर की रंगमंचीय विरासत एक बार फिर जीवंत होने जा रही है। श्रद्धांजलि नाट्य समिति की ओर से 20 और 21 दिसंबर को सूरसदन प्रेक्षागृह में 24वें श्रद्धांजलि नाट्य समारोह का आयोजन किया जाएगा। रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में समिति पदाधिकारियों ने समारोह की तैयारियों और कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की।

समिति अध्यक्ष उमेश अमल ने बताया कि वर्ष 1982 में दिवंगत रंगकर्मियों की स्मृति में इस समारोह की शुरूआत की गई थी। वर्ष 2003 तक लगातार 22 वर्षों तक इसका आयोजन हुआ, लेकिन इसके बाद किन्हीं कारणों से यह परंपरा रुक गई। पिछले वर्ष इसे दोबारा शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि यह आयोजन दिवंगत रंगकर्मियों को समर्पित अपनी तरह की विशेष पहल है। समिति सचिव विश्वनिधि मिश्र और अजय दुबे ने बताया कि समारोह में देश की दो प्रतिष्ठित नाट्य संस्थाओं की ओर से दो पूर्णकालिक नाटकों का मंचन किया जाएगा। देशभर से प्राप्त प्रस्तावों पर विचार किया जा रहा है। जल्द ही चयनित नाटकों और उनकी प्रस्तुतियों की घोषणा की जाएगी।

उपाध्यक्ष पंकज सक्सेना, राजीव सिंघल, उपसचिव संजय चतुर्वेदी और नीरज अग्रवाल ने बताया कि रंगमंच में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शहर के एक वरिष्ठ रंगकर्मी को ह्यरंग पुरोधाह्ण और सक्रिय युवा रंगकर्मी को ह्यरंग प्रहरीह्ण सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। समारोह के अवसर पर ह्यअभिव्यक्तिह्ण स्मारिका का भी प्रकाशन होगा।कोषाध्यक्ष संदीप अरोरा, प्रचार सचिव उमाशंकर मिश्र और मीडिया प्रभारी अनिल जैन ने आयोजन की जानकारी देते हुए मीडिया से सहयोग की अपील की।

प्रेस वार्ता में ब्रजेश शर्मा, नरेश तन्हा और पाथोसेन सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

# आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर दो अलग-अलग हादसे, तीन घायल

फतेहाबाद। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शनिवार रात दो अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में तीन लोग घायल हो गए, जबकि कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और यूपीडा की टीम ने घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद में भर्ती कराया। यूपीडा के सुरक्षा अधिकारी ने एक हादसे के लिए कार्यदायी संस्था एटलस की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। पहली घटना शनिवार रात करीब 8:18 बजे थाना फतेहाबाद क्षेत्र में किलोमीटर 37.500 पर डायवर्जन के पास हुई। लखनऊ निवासी सतीश पुत्र कालिका प्रसाद कार से कुलदीप श्रीवास्तव, वैभव और मंजूरी के साथ लखनऊ से वृंदावन जा रहे थे। डायवर्जन पर सड़क में रखे ड्रम को देखकर आगे चल रही कार के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए।



इससे पीछे चल रही कार उससे टकरा गई। इसी दौरान पीछे से आ रही महिंद्रा कार भी टकरा गई। हादसे में दोनों कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। हालांकि किसी को चोट नहीं आई। महिंद्रा कार को सिकंदरा निवासी मधुकांत मुखर्जी चला रहे थे। उनके साथ बंस यादव भी मौजूद थे। दूसरी घटना रात करीब 11 बजे किलोमीटर 20.900 पर हुई। प्रतापगढ़ निवासी उत्कर्ष पुत्र श्रीकांत कौशल इलेक्ट्रिक कार से अखिलेश, संदीप और जय के साथ खाटू श्याम से प्रतापगढ़ जा रहे थे। कार चार्ज करने के लिए वह मध्य डिवाइडर के पास यू-टर्न ले रहे थे, तभी पीछे से दिल्ली निवासी गौरव पुत्र गजराज की बलेनो कार उससे टकरा गई। गौरव अपनी पत्नी ममता के साथ दिल्ली से महोबा जा रहे थे। टक्कर में उत्कर्ष, गौरव और ममता घायल हो गए। यूपीडा की टीम ने तीनों घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी फतेहाबाद पहुंचाया। क्षतिग्रस्त वाहनों को थाना फतेहाबाद भेज दिया गया।

यूपीडा के प्रथम सुरक्षा अधिकारी राधामोहन द्विवेदी ने बताया कि किलोमीटर 20.900 पर हुआ हादसा कार्यदायी संस्था एटलस की लापरवाही का परिणाम है। मध्य डिवाइडर में बोल्डर लगाने का कार्य पूरा नहीं किया गया था। इस संबंध में पहले भी संबंधित संस्था को मैसेज भेजकर अवगत कराया गया था। यदि समय रहते कार्य पूरा कर लिया जाता तो हादसे को टाला जा सकता था।

# अपर्णा प्रेम फाइटर्स ने 26 रन से जीता आगरा इंटर सोसाइटी लीग का खिताब

## चौके-छक्कों की बरसात के बीच अपर्णा प्रेम फाइटर्स बनी चैंपियन

टीएनएफ टुडे, आगरा।




- 257 रन के पहाड़ जैसे लक्ष्य के आगे अनप्रेडिक्टेबल्स ने टेके घुटने

बृजमोहन बंसल की स्मृति में आगरा इंटर सोसाइटी लीग-2026 के फाइनल मैच में शास्त्रीपुरम स्थित चाहर एकेडमी क्रिकेट ग्राउंड पर जमकर चौके- छक्को की बरसात हुई। लीग का फाइनल मैच अपर्णा प्रेम फाइटर्स और क्टल्लल अनप्रेडिक्टेबल्स के मध्य खेला गया। शुरूआत केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, लघु उद्योग निगम अध्यक्ष राकेश गर्ग, विधायक पुरुषोत्तम खण्डेलवाल, भाजपा महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनिया और फुटवियर एवं चमड़ा उद्योग विकास परिषद के चेयरमैन पूरन डावर ने खिलाडियों का उत्साहवर्धन कर किया`

संयोजक गौरव बंसल ने बताया कि फाइनल मैच में अपर्णा प्रेम फाइटर्स ने टॉस जीतकर 19.5 ओवर में देवेंद्र शर्मा के 80 रन और कपिल सौलंकी की 74 रन की धमाकेदार बल्लेबाजी से सभी विकेट खोकर 257 रन बनाये। क्टल्लल अनप्रेडिक्टेबल्स से दिनेश कुशवाह ने छह विकेट चटकायें।

आयोजक पार्षद गौरव शर्मा ने बताया कि मैदान पर लक्ष्य का पीछा करने उतरी क्टल्लल अनप्रेडिक्टेबल्स की टीम ने शशांक शेखर के 106 रन के शतक और अमन यादव के 42 रन के सहयोग से निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर महज 231 ही बना पायी । अपर्णा प्रेम फाइटर्स के देवेश शर्मा ने 3 विकेट झटक लिए । अपर्णा प्रेम फाइटर्स ने 26 रन से मैच जीतकर आगरा इंटर सोसाइटी लीग की चैम्पियन ट्रॉफी अपने नाम की। प्लेयर ऑफ सीरीज व सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज कपिल सौलंकी और सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज दिनेश कुशवाह रहे। मैच की कमेंट्री नरेंद्र शर्मा, रिनेश मित्तल और गगन मदान ने की। इस अवसर पर अजय अवागढ़, देशराज चाहर, नवीन गौतम, मनीष अग्रवाल रावी, नवदीप पसरीचा, पार्थ बघेल, आकाश सक्सेना, राजदीप वर्मा, कामेश जैन, पंकज पखानी आदि मौजूद रहे।

**टीएनएफ टुडे** मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

**संपादक: धीरज शर्मा**, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com

पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

## सम्पादकीय

# विपक्ष के मौसमी तेवरों का सच, निरंतर संघर्ष का अभाव और सत्ता पक्ष का बेलगाम अहंकार

राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक और सियासी उथल-पुथल के गवाह रहे रामलीला मैदान में कांग्रेस पार्टी तथा उसके सहयोगी दलों द्वारा हाल ही में किया गया जोरदार शक्ति प्रदर्शन भारतीय राजनीति की एक पुरानी और घिसी-पिटे चक्र की याद ताजा कराता है। हालिया चुनावी झटकों और प्रशासनिक मुद्दों को केंद्र में रखकर आहूत इस महारैली में विपक्षी दिग्गजों ने मंच से सरकार की नीतियों पर जमकर तीखे हमले किए तथा लोकतंत्र व संविधान को बचाने के बड़े-बड़े दावे किए। किंतु सबसे बड़ा और गंभीर सवाल यह है कि क्या चुनाव के मौसम या कुछ चुनिंदा तारीखों पर मंच सजाकर और दिल्ली की सड़कों पर कुछ घंटों की भीड़ जुटा लेने भर से जनता के दिलों में कोई स्थायी और भरोसेमंद जगह बनाई जा सकती है। कांग्रेस पार्टी और उसके नेतृत्व के लिए आज सबसे बड़ी नसीहत यह है कि विरोध की यह राजनीति केवल मौसमी और औपचारिकता वाली नहीं होनी चाहिए बल्कि जनता के बीच धरातल पर चौबीसों घंटे और बारह महीने टिके रहने वाले निरंतर संघर्ष से आनी चाहिए। जब तक विपक्ष चुनाव आने पर जागने और चुनाव बीतते ही फिर से एसी कमरों की सियासत में लौटने की अपनी पुरानी बीमारी को नहीं छोड़ेगा, तब तक वह सत्ता पक्ष के मजबूत और अनुशासित संगठन को चुनावी मैदान में शिकस्त देने में नाकाम ही रहेगा। जनता अब केवल मंच से दिए गए भाषणों के तालियों वाले शोर से नहीं बल्कि उसके सुख-दुख में हमेशा साथ खड़े रहने वाले जुझारू नेतृत्व से प्रभावित होती है, जिसे विपक्षी दलों को जितनी जल्दी समझ आ जाए उतना ही उनके राजनीतिक भविष्य के लिए बेहतर होगा। दूसरी तरफ, दिल्ली के सिंहासन पर बैठी सत्ता पक्ष और भारतीय जनता पार्टी को भी यह अहंकार पालने की कोई आवश्यकता नहीं है कि विपक्ष की इन कमजोरियों और बिखराव के कारण उनकी अपनी जवाबदेही स्वतः समाप्त हो जाती है। सत्ता के नशे में चूर हुक्मरानों को यह कड़वी सच्चाई स्वीकार करनी होगी कि लोकतंत्र में जनता के हर कठिन सवाल का जवाब केवल विपक्ष पर दोष मढ़कर या उसे कमजोर बताकर नहीं दिया जा सकता। यदि शासन प्रणाली के भीतर अफसरशाही पूरी तरह बेलगाम हो चुकी है और आम आदमी की छोटी-छोटी शिकायतों पर भी सुनवाई के दरवाजे बंद हो रहे हैं, तो जनता का यह छुपा हुआ असंतोष किसी न किसी दिन रामलीला मैदान की इस भीड़ के रूप में बाहर फूटेगा ही। निष्कर्ष रूप में, यदि देश के लोकतंत्र को सचमुच जीवंत रखना है तो विपक्ष को अपनी कार्यशैली में स्थिरता और परिपक्वता लानी होगी तथा सत्ता पक्ष को अपने घमंड को छोड़कर जनता के प्रति वास्तविक संवेदनशीलता दिखानी होगी, अन्यथा राजनीति केवल तमाशों का अखाड़ा बनकर रह जाएगी।

## अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

# जब सूख गई थी मिथिला, बंजर हो गई थी धरती तब राजा ने किया था ये चमत्कार

श्रीमद्भागवत महापुराण रामायण और विभिन्न प्राचीन पौराणिक ग्रंथों के गुप्त अध्यायों में वर्णित यह अत्यंत दुर्लभ कथा प्रकृति, तपस्या और लोककल्याण के उस अछूत रिश्ते को उजागर करती है जो आज के युग में भी हमारे लिए एक बड़ा मार्गदर्शन है। प्राचीन काल में मिथिलापुरी के आसपास के विशाल भूभाग पर लगातार कई वर्षों तक एक बूंद भी वर्षा न होने के कारण भयंकर और प्रलयकारी अकाल का साया मंडराने लगा था।

पानी के अभाव में नदियां और तालाब पूरी तरह सूख चुके थे, धरती पर गहरी दरारें पड़ गई थीं तथा अन्न का एक भी दाना पैदा न होने के कारण त्राहि-त्राहि मच गई थी। प्रजा की इस हृदयविदारक और दयनीय स्थिति को देखकर राजा का मन भीतर तक कांप उठा और उन्होंने अपने राज्य के सभी प्रकांड पंडितों तथा ज्योतिषियों की एक आपातकालीन सभा बुलाई। सभा में मौजूद सभी ऋषियों और मुनियों ने गहन विचार-विमर्श के बाद राजा को परामर्श दिया कि इस भीषण प्राकृतिक प्रकोप से केवल तभी मुक्ति मिल सकती है जब वन में एकांत तपस्या कर रहे महान तेजस्वी महर्षि ऋष्यशृंग को मिथिलापुरी में लाया जाए। महर्षि ऋष्यशृंग का जन्म और तपस्या इतनी अलौकिक तथा पवित्र थी कि उनके प्रभाव से प्रकृति के सारे नियम अनुशासित हो जाते थे और उनके चरणों की धूल मात्र से सूखी धरती पर हरियाली लौट आती थी। राजा ने बिना एक पल गंवाए पूरी विनम्रता, श्रद्धा और राजकीय सम्मान के साथ अपने सबसे विश्वसनीय मंत्रियों को महर्षि ऋष्यशृंग को आमंत्रित करने के लिए भेजा। जब महर्षि ऋष्यशृंग ने मिथिला की सीमा में प्रवेश किया और उनके पवित्र चरणों ने इस सूखी धरती को स्पर्श किया तभी आकाश में अचानक गहरे और काले बादल उमड़घुमड़कर मंडराने लगे। महर्षि के मार्गदर्शन में जब राज्य में विशाल यज्ञ और अनुष्ठानों का शुभारंभ हुआ तब प्रकृति ने भी अपनी तमाम रुष्टता छोड़कर आसमान से अमृत रूपी मूसलाधार वर्षा शुरू कर दी। बरसातों के इस महाअभियान से बंजर और वीरान पड़े खेत एक ही झटके में लहलहा उठे और अकाल से पीड़ित पूरी प्रजा का जीवन एक बार फिर से आनंद, संतोष व उल्लास से भर गया। यह पावन और अनसुना प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि जिस धरती पर संतों का आदर होता है और धर्म तथा प्रकृति का संतुलन साधा जाता है वहां कभी भी आपदाएं टिक नहीं सकतीं और ईश्वर की असीम कृपा हमेशा बनी रहती है।

# आगरा की सड़कें जाम, दिमाग भी जाम!

बृज खंडेलवाल



आगरा चल रहा है या रेंग रहा है? यह सवाल उस हर आदमी से पूछिए, जो यमुना किनारा रोड, एमजी रोड, भगवान टॉकीज या फतेहाबाद रोड पर जाम में फंसा है। दस मिनट का सफर एक घंटे में पूरा होता है। हॉर्न चीखते हैं, लोग झल्लाते हैं और गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच जाता है। फिर सारा इल्जाम ट्रैफिक पुलिस के सिर!

लेकिन क्या हर जाम के लिए पुलिस ही जिम्मेदार है? क्या बीमारी सिर्फ सड़कों में है? या हमारी सोच भी इसकी बड़ी वजह है? सच यह है कि आगरा का ट्रैफिक संकट सिर्फ खराब सड़कों और बढ़ती गाड़ियों का नतीजा नहीं है। यह हमारी बिगड़ती नागरिक समझ और बेतहाशा जल्दबाजी का आईना भी है।

सड़क पर जाम है, मगर असली जाम तो दिमाग में है भाई जान! यमुना आरती स्थल के पास, दो रोज पहले, पीछे रोंग साइड पर दनदनाते मोबाइक वाले ने मुझे गिरा दिया। विरोध करने पर बोला, रोड पर क्यों चलते हैं बुड्ढे लोग, घर बैठो! यानी चोरी और सीना जोरी, यही है जंगल का कानून!

आगरा की सड़कों पर निकलते ही अनुशासन की पोल खुल जाती है। किसी को रुकना मंजूर नहीं। कोई किसी को रास्ता नहीं देना चाहता। हर आदमी सबसे आगे निकलने की फिराक में है। गलत दिशा में गाड़ी चलाना, मनमाने यू-टर्न लेना, लेन बदलकर आगे निकलना और लाल बत्ती तोड़ना आम बात है। जेब्रा क्रॉसिंग पर पैदल चलने वालों को रास्ता देना तो जैसे शान के खिलाफ है। साइकिल सवार और राहगीर भगवान भरोसे हैं।

हॉर्न बजाना राष्ट्रीय शौक बन गया है। आगे सड़क बंद है, फिर भी हॉर्न बजता रहेगा। मानो आवाज से गाड़ियां अपने आप उड़ने लगेंगी!

मूल मंत्र बन गया है, पहले मैं निकलूं, बाकी दुनिया भाड़ में जाए!

माता-पिता भी कम जिम्मेदार नहीं हैं। बच्चे बिना हेलमेट गाड़ी चलाएं, गलत दिशा में दौड़ाएं या सिग्नल तोड़ें, तो कई घरों में इसे शरारत समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। गाड़ियों की हालत भी देखिए। खराब ब्रेक, बंद लाइटें और बिना रखरखाव के वाहन सड़कों पर दौड़ते हैं। फिर हादसे होते हैं और हम किस्मत को कोसते हैं।

आगरा की ट्रैफिक समस्या के कई चेहरे हैं।

पहला गुनहगार है अवैध पार्किंग और अतिक्रमण। भगवान टॉकीज, रामबाग, बिजलीघर, सिकंदरा, शाहगंज, लोहामंडी और आईएसबीटी जैसे इलाकों में सड़कें पार्किंग स्थल बन चुकी हैं। दुकानदार, रेहड़ी वाले, ऑटो और ई-रिक्शा सड़क घेर लेते हैं। राह चलने वालों के लिए जगह बचती ही नहीं।

दूसरा संकट है मेट्रो और दूसरी निर्माण परियोजनाएं। एमजी रोड सहित कई प्रमुख रास्तों पर बैरिकेडिंग और खुदाई ने सड़कें सिकोड़ दी हैं। स्मार्ट सिटी, पाइपलाइन और मरम्मत के काम भी यातायात को प्रभावित करते हैं।

तीसरी वजह है पर्यटन का दबाव। ताजमहल, आगरा किला और दूसरे स्मारकों पर आने वाली पर्यटक बसें, टैक्सियां और निजी गाड़ियां सड़कों पर भीड़ बढ़ाती हैं। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन नगरी में यातायात प्रबंधन का हाल देखकर शर्म आती है।

चौथी समस्या है कमजोर सार्वजनिक परिवहन। अच्छी बस सेवा नहीं होगी, तो हर परिवार अपनी गाड़ी निकालेगा। नतीजा, सड़क पर वाहनों की भीड़ बढ़ती जाएगी।

पांचवीं वजह हैं गड्ढे और बार-बार खुदाई। सड़क कभी पानी की पाइपलाइन के लिए खोदी जाती है, कभी मरम्मत के नाम पर। आज सड़क बनी, कल फिर खुद गई। सरकारी विभागों में तालमेल का हाल भी किसी से छिपा नहीं है।

छठी मुसीबत है स्कूलों की छुट्टी। दोपहर दो से चार बजे के बीच स्कूल बसों और अभिभावकों की गाड़ियां सड़कों पर उतरती हैं। कई इलाकों में जाम लगना तय है।

सातवीं समस्या है बेतरतीब मिला-जुला यातायात। कार, बाइक, बस, ऑटो, ई-रिक्शा, साइकिल और पैदल यात्री एक ही सड़क पर अपनी-अपनी मर्जी चलाते हैं।

आठवीं वजह हैं बसों और ऑटो के मनमाने ठहराव। आईएसबीटी और ट्रांसपोर्ट नगर के आसपास सड़कें इनके लिए निजी अड्डे बन जाती हैं।

नौवीं समस्या है पुराने शहर की तंग सड़कें। कटरा नील, पुरानी मंडी और नई की मंडी जैसे इलाकों की सड़कें आज के वाहन दबाव के लिए बनी ही नहीं थीं।

दसवीं आफत है त्योहारों की खरीदारी। रक्षाबंधन, दिवाली और दूसरे पर्वों पर बाजारों में भीड़ बढ़ती है। पहले से बेहाल सड़कें पूरी तरह दम तोड़ देती हैं।

इन कारणों का मेल जाम को कई गुना बढ़ा देता है। निर्माण कार्य सड़कें संकरी करते हैं, अतिक्रमण बची जगह निगल जाता है और कमजोर निगरानी अवैध पार्किंग को बढ़ावा देती है।

### चालान से नहीं बदलेगी तकदीर

सवाल है, प्रशासन आखिर कर क्या रहा है? समय-समय पर चालान अभियान चलते हैं। कुछ दिन लोग डरते हैं, फिर पुराना ढर्रा लौट आता है। यह इलाज नहीं, महज दिखावा है।

आगरा को एक ठोस और दूरगामी ट्रैफिक योजना चाहिए। जहां जरूरी हो, एकतरफा यातायात लागू किया जाए। भीड़भाड़ वाले बाजारों में पीक आवर के दौरान निजी वाहनों का प्रवेश सीमित हो। पार्किंग के लिए अलग जगह बने। अवैध कब्जों पर बिना भेदभाव कार्रवाई हो।

स्कूलों की छुट्टी का समय अलग-अलग किया जा सकता है। पर्यटक बसों के लिए तय पार्किंग और शटल सेवा हो। ई-रिक्शा के लिए निर्धारित मार्ग और ठहराव तय हों। ट्रैफिक सिग्नल दुरुस्त हों। जेब्रा क्रॉसिंग पर पैदल यात्रियों को प्राथमिकता मिले। साइकिल सवारों के लिए सुरक्षित जगह बने। गलत दिशा में वाहन चलाने और खतरनाक यू-टर्न लेने वालों पर सख्ती हो।

सड़क खोदने वाले विभागों में तालमेल जरूरी है। एक विभाग सड़क बनाए और दूसरा अगले दिन खोद दे, यह कैसी व्यवस्था है? निर्माण एजेंसियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

### असली सुधार घर से शुरू होगा

लेकिन एक बात साफ है। चौड़ी सड़कें बना देने से समस्या खत्म नहीं होगी। अगर नागरिकों का रवैया नहीं बदला, तो नई सड़क भी जल्द पार्किंग स्थल बन जाएगी।

नागरिक अनुशासन पुलिस के डंडे से पैदा नहीं होता। इसकी शुरूआत घर और स्कूल से होती है। माता-पिता बच्चों को नियम सिखाएं। दुकानदार सड़क को अपनी जागीर न समझें। वाहन चालक पैदल यात्रियों का सम्मान करें।

आगरा कोई मामूली शहर नहीं है। यह इतिहास, संस्कृति और दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल की पहचान वाला शहर है। यहां आने वाले पर्यटक शहर की खूबसूरती याद रखें, ट्रैफिक की बदहाली नहीं।

आखिर ट्रैफिक सुधार के लिए हर बार फ्लाईओवर, बुलडोजर और करोड़ों रुपये की जरूरत नहीं होती। कभी-कभी जरूरत सिर्फ समझदारी, सब्र और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करने की होती है।

सड़क सबकी है, तो उस पर चलने का सलीका भी सबको सीखना होगा।

वरना आगरा की सड़कें यूं ही जाम रहेंगी। गाड़ियां आगे निकलने के लिए लड़ती रहेंगी और शहर अपनी ही बदइंतजामी में फंसा रहेगा।

# बी रेड : तैयार रहिए, डरिए मत!

डॉ. दीपक गोस्वामी

आपदा आने पर तैयारी शुरू करना बुद्धिमानी नहीं, मजबूरी है। असली बुद्धिमानी है कि संकट आने से पहले परिवार, घर और समाज को इतना सक्षम बना दिया जाए कि कठिन समय में घबराहट नहीं, समझदारी काम आए। दुनिया आज एक महत्वपूर्ण संदेश दे रही है—बी रेडी, अर्थात तैयार रहिए। यूरोपीय आयोग ने 26 मार्च 2025 को अपनी तैयारी रणनीति में नागरिकों को कम से कम 72 घंटे तक अपनी बुनियादी आवश्यकताएँ स्वयं पूरी करने योग्य बनाने पर जोर दिया। इसका अर्थ तीसरे विश्वयुद्ध की घोषणा नहीं, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं, महामारी, युद्ध, साइबर हमलों और आवश्यक सेवाओं में व्यवधान जैसी परिस्थितियों के प्रति दूरदर्शी तैयारी है। भारत के लिए यह विचार नया नहीं होना चाहिए। हमारी पारंपरिक गृहस्थी में अनाज का सुरक्षित भंडारण, वर्षा के लिए जल-संचय, आवश्यक औषधियों की उपलब्धता और कठिन समय में पड़ोसियों की सहायता जीवन का हिस्सा रहे हैं। घर की अनाज वाली बरनी, सुरक्षित पेयजल और सामूहिक सहयोग इसी व्यावहारिक समझ के उदाहरण हैं। आज आवश्यकता है कि इस परंपरागत दूरदर्शिता को आधुनिक विज्ञान, मनोविज्ञान और नागरिक सुरक्षा के साथ जोड़कर फिर से जीवन का हिस्सा बनाया जाए।

### कब करें तैयारी?

उत्तर है—जब परिस्थितियाँ सामान्य हों, तभी।
बाढ़ आने के बाद पानी, भूकंप के बाद सुरक्षित स्थान और बिजली जाने के बाद टॉर्च खोजने का समय नहीं मिलता। आपदा किसी तारीख, मौसम या हमारी सुविधा देखकर नहीं आती। इसलिए प्रत्येक परिवार प्रतिदिन कुछ मिनट अपनी तैयारी की जाँच करे। पीने का पानी, आवश्यक दवाइयाँ, टॉर्च, मोबाइल चार्ज, पावर बैंक और आपातकालीन संपर्क सूची उपलब्ध हैं या नहीं, यह देखना पर्याप्त शुरुआत है। मौसम विभाग की चेतावनियों और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों पर ध्यान देना भी इसी तैयारी का हिस्सा है।

### कहाँ करें तैयारी?

सबसे पहले अपने घर से। प्रत्येक परिवार एक निर्धारित स्थान पर आपातकालीन थैला और आवश्यक सामग्री रखे। पानी और भोजनः सुरक्षित पेयजल, सत्तू, चना, भुना अनाज, बिस्कुट और लंबे समय तक सुरक्षित रहने वाले खाद्य पदार्थ रखें। शिशुओं और विशेष आहार लेने वाले सदस्यों की जरूरतों का भी ध्यान रखें।
औषधियाँः प्राथमिक उपचार पेटी, पट्टियाँ, रुई, ओआरएस और परिवार के सदस्यों की नियमित निर्धारित दवाइयाँ रखें। दवाओं की समाप्ति तिथि जाँचते रहें।
प्रकाश और संचारः टॉर्च, अतिरिक्त बैटरियाँ, पावर बैंक, बैटरी वाला रेडियो, सीटी और लिखित संपर्क सूची रखें।
दस्तावेजः पहचान पत्र, बीमा, बैंक और चिकित्सा संबंधी महत्वपूर्ण कागजात की प्रतियाँ जलरोधी थैले में सुरक्षित रखें।
**विशेष आवश्यकताएँ**ः बुजुर्गों, दिव्यांग व्यक्तियों, छोटे बच्चों और पालतू पशुओं के लिए अलग व्यवस्था करें।
स्वास्थ्य मंत्रालय की आपातकालीन तैयारी संबंधी सलाह में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पाँच लीटर पानी तथा कम से कम तीन दिन के भोजन और पानी की व्यवस्था का उल्लेख है। चार सदस्यों के परिवार के लिए इस मानक से तीन दिन में 60 लीटर पानी का लक्ष्य बनता है। यह मुख्यतः पेयजल का न्यूनतम भंडार है। खाना पकाने और स्वच्छता के लिए अतिरिक्त पानी चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन आपातकालीन परिस्थितियों में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन लगभग 15 लीटर पानी उपलब्ध कराने को एक सामान्य योजना मानक बताता है। वास्तविक आवश्यकता जलवायु, स्वास्थ्य, उपलब्ध सुविधाओं और आपदा की अवधि के अनुसार बदल सकती है। इसलिए पानी का सुरक्षित भंडारण और शुद्धता दोनों महत्वपूर्ण हैं।

### कैसे करें तैयारी? तीन आधारभूत सूत्र

पहला : वैदिक जीवन-दृष्टि और विवेकपूर्ण संचय
भारतीय जीवन-दर्शन में संयम, दूरदर्शिता, श्रम, प्रकृति के प्रति सम्मान और लोककल्याण को महत्वपूर्ण स्थान मिला है। संसाधनों का आवश्यकता के अनुसार उपयोग और उनका संरक्षण इसी जीवन-दृष्टि के व्यावहारिक आधार हैं। लेकिन आवश्यकता का संचय और जमाखोरी अलग-अलग बातें हैं। परिवार के लिए कुछ दिनों का सुरक्षित खाद्य भंडार रखना उचित है, लेकिन बाजार से अनावश्यक सामान खरीदकर दूसरों के लिए संकट पैदा करना अनुचित है। अन्न का नियमित उपयोग, जल का स्वच्छ भंडारण और औषधियों की समय-समय पर जाँच इस व्यवस्था को प्रभावी बनाते हैं।

### दूसरा : मनोविज्ञान और अभ्यास

आपदा के समय भय और भ्रम व्यक्ति की निर्णय क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए परिवार को संकट की परिस्थितियों का अभ्यास कराना चाहिए।
बच्चों को खेल-खेल में भूकंप के समय सुरक्षित रहने, आग लगने पर बाहर निकलने और आपातकालीन संपर्क करने की जानकारी दें। परिवार के सभी सदस्यों को निकासी मार्ग और मिलने का निर्धारित स्थान पता होना चाहिए।
बुजुर्गों तथा दिव्यांग सदस्यों को सुरक्षित स्थान तक पहुँचाने की जिम्मेदारी पहले से तय करें।
मनोवैज्ञानिक तैयारी का उद्देश्य भय को नकारना नहीं, बल्कि भय के बावजूद सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना है।

### तीसरा : सामाजिक सहयोग

आपदा के समय अकेला परिवार असहाय हो सकता है, लेकिन संगठित समुदाय बेहतर ढंग से सामना कर सकता है।
मोहल्ले और गाँव में यह जानकारी होनी चाहिए कि किस घर में बुजुर्ग अकेले रहते हैं, कहाँ छोटे बच्चे हैं और किसे नियमित चिकित्सा सहायता चाहिए। स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार जानने वाले व्यक्तियों, वाहन उपलब्ध कराने वालों और जरूरतमंदों की सहायता करने वाले युवाओं की पहचान करें। ग्राम पंचायत, आवासीय समिति और सामाजिक संस्थाएँ मिलकर सुरक्षित निकासी मार्ग तथा सहायता समूह तैयार कर सकती हैं।

### भारत में यह तैयारी क्यों आवश्यक है?

भारत की भौगोलिक विविधता उसे अनेक प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशील बनाती है।
भारत सरकार के उपलब्ध जोखिम संबंधी आकलनों के अनुसार देश का लगभग 58.6 प्रतिशत भूभाग विभिन्न स्तरों के भूकंपीय जोखिम में है। लगभग 12 प्रतिशत भूभाग बाढ़ एवं नदी कटाव के जोखिम में है। लगभग 7,516 किलोमीटर लंबी तटरेखा में करीब 5,700 किलोमीटर क्षेत्र चक्रवात और सुनामी के जोखिम से प्रभावित हो सकता है। लगभग 68 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि सूखे के प्रति संवेदनशील बताई गई है। ये जोखिम संबंधी आकलन हैं, किसी निश्चित समय पर आपदा आने की भविष्यवाणी नहीं।
हिमालयी क्षेत्रों में भूकंप और भूस्खलन, नदी घाटियों में बाढ़, तटीय क्षेत्रों में चक्रवात तथा अनेक राज्यों में सूखा और लू गंभीर चुनौतियाँ हैं। इसलिए प्रत्येक क्षेत्र की तैयारी वहाँ के स्थानीय जोखिम के अनुसार होनी चाहिए।
इसके अतिरिक्त तीन परिस्थितियाँ विशेष ध्यान माँगती हैं।
तकनीकी व्यवधानः बिजली, जलापूर्ति, बैंकिंग, परिवहन और संचार व्यवस्था परस्पर जुड़ी हैं। लंबे समय तक बिजली बाधित होने पर इन सेवाओं पर असर पड़ सकता है। इसलिए थोड़ी नकदी, लिखित संपर्क सूची और वैकल्पिक प्रकाश व्यवस्था उपयोगी है।
स्वास्थ्य संकटः कोरोना महामारी ने बताया कि सामान्य जीवन की व्यवस्थाएँ अचानक बाधित हो सकती हैं। स्वच्छता, सुरक्षित पानी, नियमित दवाइयाँ और प्रमाणित चिकित्सा सलाह ऐसी परिस्थितियों में महत्वपूर्ण हैं। सूचना संबंधी संकटः आपदा के समय अफवाहें और गलत संदेश तेजी से फैलते हैं। इसलिए केवल अधिकृत सरकारी सूचनाओं पर भरोसा करें और बिना सत्यापन कोई संदेश आगे न भेजें।

### 72 घंटे का सिद्धांत : जिम्मेदार नागरिकता

यूरोपीय संघ की 2025 की रणनीति में नागरिकों को कम से कम 72 घंटे की बुनियादी आत्मनिर्भरता के लिए तैयार रहने का संदेश दिया गया है। इसका अर्थ यह नहीं कि सरकार 72 घंटे तक सहायता नहीं करेगी। इसका आशय है कि बड़ी आपदा में राहत पहुँचने और सामान्य सेवाएँ बहाल होने में समय लग सकता है। उस अवधि में परिवार के पास पानी, भोजन, दवाइयाँ, प्रकाश और संपर्क के साधन होने चाहिए।

## सितारों की चाल : आपका भविष्यफल

दिनांक 03 नवंबर 2026 मंगलवार

**कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!**

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल की पहली सीढ़ी है।



मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

### शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष मिथुन सिंह कन्या तुला और कुंभ राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। मंगलवार का दिन संकटमोचन हनुमान जी और ऊर्जा के कारक मंगल ग्रह की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन हनुमान मंदिर में जाकर बजरंगबली को चोला चढ़ाने तथा सुंदरकांड या हनुमान चालीसा का पाठ करने से जीवन के सभी भय दूर होते हैं और साहस तथा विजय की प्राप्ति होती है।

### मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम और नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। हनुमान जी को सिंदूर अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

### वृष

आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। मंदिर में लाल मसूर की दाल दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

### मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। सुंदरकांड का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में वृद्धि हो।

### कर्क




आज भूमि भवन या अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। हनुमान मंदिर में बूंदी का प्रसाद बांटें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।

### सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा और विरोधी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत और सुदृढ़ होगी। बजरंगबली के दर्शन करें जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि हो।

### कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा और लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। व्यापारियों को नए व्यावसायिक अनुबंध मिलने की पूरी संभावना बन रही है। बंदरों को गुड़ और चना खिलाएं जिससे आपके मार्ग की सभी रुकावटें दूर हों।

### तुला

आज कला संस्कृति और सामाजिक कार्यों से जुड़े जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। किसी जरूरतमंद को लाल वस्त्र दान करें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

### वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। हनुमान बाहुक का पाठ करें जिससे आपके सभी विरोधी और शत्रु शांत रहें।

### धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। मंदिर में तांबे का दीपक जलाएं जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।

### मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। मंगलवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

### कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। हनुमान चालीसा का पाठ करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

### मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। हनुमान जी के चरणों में फूल अर्पित करके दिन की शुरूआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

### आज का वास्तु शोधनम सूत्र

मंगलवार के दिन घर की दक्षिण दिशा को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां लाल रंग का त्रिशूर या हनुमान जी का चित्र स्थापित करने तथा मुख्य द्वार पर सिंदूर से स्वस्तिक बनाने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा मंगल देव और हनुमान जी की कृपा से घर में सुरक्षा, ऊर्जा और पराक्रम का स्थायी वास होता है।

# विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का भव्य आयोजन, 285 लाभान्वित

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शानुसार रविवार को प्रातः 10:00 बजे से पांचजन्य प्रेक्षागृह, डैम्पियर नगर, मथुरा में मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी जनपद न्यायाधीश, मथुरा अजय पाल सिंह द्वारा की गई।

कार्यक्रम में अपर जिला जज डॉ. पल्लवी अग्रवाल, संतोष कुमार त्रिपाठी, राजेश पाराशर, अरविन्द कुमार यादव, श्रीमती नीलम ढाका, अनुराग शर्मा, विद्या भूषण पाण्डेय, बृजेश कुमार, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलवे सूर्यभान कुमार वर्मा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती अनीता सिंह, पीठासीन अधिकारी अतिरिक्त न्यायालय लाल बहादुर सिंह, नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्र सहित अनेक न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारीगण, पुलिस अधिकारी तथा चिकित्सकगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रभारी जनपद न्यायाधीश अजय पाल सिंह द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके उपरान्त विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं द्वारा मां सरस्वती वन्दना एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

285 लाभार्थियों को मिला विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ

शिविर के माध्यम से शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ विशेष रूप से गरीब, वंचित, असहाय एवं जरूरतमंद वर्ग के कुल 285 लाभार्थियों को प्रदान किया गया। इसमें जिला विकास विभाग के 10, ग्रामीण विकास विभाग के 10, पंचायतीराज विभाग के 05, समाज कल्याण विभाग के 10, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के 15, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के 05, महिला एवं बाल कल्याण विभाग के 15, जिला प्रोबेशन अधिकारी विभाग के



10, शिक्षा विभाग के 10, कौशल विकास विभाग के 10, राजकीय औद्योगिक एवं तकनीकी संस्थान के 10, कृषि एवं वानिकी विभाग के 05, कृषि उत्पादन मंडी समिति के 05, बैंक सहायता ऋण योजना के 10, लघु, कुटीर एवं सूक्ष्म तथा मध्यम उद्यम विभाग के 05, श्रम कल्याण विभाग के 05, दुग्ध विभाग के 10, राजस्व विभाग के 10, डाक विभाग के 05, चिकित्सा विभाग के 10, वन विभाग के 05, जिला नगरीय विकास अभिकरण के 10, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण के 10, विद्युत वितरण विभाग के 05, खाद्य सुरक्षा एवं रसद विभाग के 05, आदि विभागों के लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित किया गया।

विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल, योजनाओं की दी गई जानकारी

मेगा शिविर में शासन की विभिन्न योजनाओं से संबंधित विभागों द्वारा अलग-अलग स्टॉल लगाए गए, जिनके माध्यम से आमजन को विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा पात्र व्यक्तियों की समस्याओं का समाधान करते हुए उन्हें योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया। जिला कारागार, मथुरा द्वारा जेल में निरुद्ध बंदियों द्वारा निर्मित पोशाकें, धोती, गमछा, हर्बल गुलाल आदि उत्पादों की विशेष स्टॉल भी लगाई गई।

प्रभारी जनपद न्यायाधीश अजय पाल सिंह ने अन्य न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं लाभार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की।

शिविर में आपदा प्रभावित व्यक्तियों, आयुष्मान कार्ड एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। इसके अतिरिक्त पात्र लाभार्थियों को आवास की चाबियां, उत्कृष्ट कार्य करने वाली स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रोत्साहन स्वरूप सहायता एवं उपकरण, उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सम्मान, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लाभ, प्रशिक्षित लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, श्रम कार्ड, पीएम स्वनिधि योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत लाभ तथा दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल एवं श्रवण यंत्र वितरित किए गए।

विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति तक न्याय एवं योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करना : प्रभारी जनपद न्यायाधीश

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रभारी जनपद न्यायाधीश अजय पाल सिंह ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा गांव-गांव, शहर-शहर, गली-मोहल्लों एवं बस्तियों तक पहुंचकर प्रत्येक व्यक्ति को विधिक सेवा प्राधिकरण के उद्देश्यों, उनके अधिकारों तथा शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। शिविरों के माध्यम से आमजन को कानून एवं उनके अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जा रही हैं।

उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे इस प्रकार के शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग कर सरकारी योजनाओं एवं निःशुल्क विधिक सेवाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर न केवल आमजन में जागरूकता बढ़ाने का माध्यम हैं, बल्कि लोगों को न्यायिक व्यवस्था एवं सरकारी सुविधाओं से सीधे जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कोई भी व्यक्ति जानकारी के अभाव में न्याय से वंचित न रहे : सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा श्रीमती अनीता सिंह ने कहा कि आमजन को सरकारी योजनाओं एवं विधिक सहायता से जोड़ने के उद्देश्य से इस मेगा शिविर के माध्यम से एक विशेष पहल की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना तथा जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना है।

उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का प्रयास है कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति, विशेषकर गरीब, कमजोर वर्ग, महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों एवं श्रमिकों तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित की जा सके। कोई भी व्यक्ति केवल जानकारी के अभाव में अपने अधिकारों एवं न्याय प्राप्त करने से वंचित न रह जाए। इसी उद्देश्य से प्राधिकरण द्वारा निरंतर विधिक जागरूकता एवं सहायता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

संचालन राहुल अग्रवाल, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल, मथुरा द्वारा किया गया।

इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलवे के समस्त कर्मचारीगण, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सदस्य, पराविधिक स्वयंसेवकगण, पैनल अधिवक्तागण, मध्यस्थगण तथा सैकड़ों की संख्या में लाभार्थी एवं आमजन उपस्थित रहे।

## वाहन चोर गिरोह का किया पदार्फाश दो गिरफ्तार

- आठ चोरी की बाइक और एक स्कूटी बरामद
- दिल्ली और मथुरा से चुराए थे वाहन

**मथुरा।** थाना कोतवाली पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की आठ मोटरसाइकिल और एक स्कूटी बरामद की है। बरामद वाहनों में दिल्ली और मथुरा से चोरी किए गए वाहन शामिल हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार रविवार रात करीब 1:58 बजे कोतवाली पुलिस टीम ने बोहरे नगर में चौबे की बगीची के पास दक्षिणी दीवार की तरफ पीपल के पेड़ के नीचे दबिश देकर दो युवकों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान विपिन कुमार निवासी गांव बाजना थाना हाईवे मथुरा और मनीष कुमार निवासी गांव फौजू आका पोस्ट हैतलपुर थाना टप्पल जिला अलीगढ़ के रूप में हुई है। दोनों की उम्र करीब 22 से 23 वर्ष बताई गई है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से आठ मोटरसाइकिल और एक स्कूटी बरामद की। इनमें स्प्लेंडर प्लस और स्प्लेंडर प्रो सहित विभिन्न मॉडल की बाइक तथा एक रॉयल एनफील्ड बुलेट शामिल है। एक मोटरसाइकिल बिना नंबर प्लेट के मिली है। बरामद वाहनों में मथुरा के थाना कोतवाली में दर्ज दो चोरी के मामलों के अलावा दिल्ली के आरकेपुरम मालवीय नगर किशनगढ़ और सरोजिनी नगर थानों में दर्ज चोरी के मुकदमों से संबंधित वाहन भी शामिल हैं।

पुलिस ने गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना कोतवाली में मुकदमा संख्या 761/2026 दर्ज किया है। साथ ही पहले से दर्ज चोरी के मुकदमों में भी संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर वाहन चोरी से जुड़े अन्य मामलों की जानकारी जुटा रही है।

कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक संजीव कुमार रविन्द्र बाबू और पवन कुमार के अलावा हेड कांस्टेबल राजेश कुमार कांस्टेबल धर्मेंद्र कुमार धीरज तथा सर्विलांस सेल के हेड कांस्टेबल परविन्द्र शामिल रहे।

## नंदगाँव में 310 स्वयंसेवकों ने की 'ब्रज रज सेवा', स्वच्छता के साथ ध्यान का भी दिया संदेश

- हार्टफुलनेस के 'ब्रज वैभव अभियान' के तहत पावन सरोवर, नंद भवन और सार्वजनिक स्थलों पर किया श्रमदान
- देश के 23 स्थानों से पहुंचे अभ्यासी और स्वयंसेवक, स्थानीय लोगों ने भी निभाई सहभागिता

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

ब्रज की पावन धरा, जहां भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी बाल लीलाओं से जन-जन को प्रेम, सेवा और सद्भाव का संदेश दिया, उस नंदगाँव में रविवार को स्वच्छता और आध्यात्मिक चेतना का अनूठा संगम देखने को मिला। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन, नगर निगन एवं हार्टफुलनेस संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में ह्यब्रज वैभव अभियानह्ल के अंतर्गत ह्यब्रज रज सेवाह्ल स्वच्छता एवं ध्यान अभियान आयोजित किया गया। इसमें 310 अभ्यासी एवं स्वयंसेवकों ने श्रमदान कर ब्रज की पावन धरोहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने का संकल्प दोहराया।

अभियान के तहत पावन सरोवर, श्री कृष्ण चैतन्य इंटर कॉलेज, नंद भवन सहित विभिन्न मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता सेवा



की गई। देश के अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह के साथ श्रमदान किया। वहीं, आयोजित ध्यान सत्र में प्रतिभागियों और स्थानीय जिज्ञासुओं ने हार्टफुलनेस ध्यान का अनुभव किया।

इस सेवा अभियान में बहज, भरतपुर, आगरा, इगलास, अलीगढ़, गाजियाबाद, नोएडा, धामपुर, बरेली, बहेड़ी, बदायूं, हाथरस, एटा, कोसी, सहार, वाराणसी, मेरठ, कासगंज, देहरादून, नौहझील, रौझौली, दिल्ली एवं चंदौसी सहित 23 स्थानों से अभ्यासी एवं स्वयंसेवक नंदगाँव पहुंचे।

ह्यब्रज वैभव अभियानह्ल का उद्देश्य ब्रज की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करते हुए स्वच्छता, पर्यावरण जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। अभियान के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि ब्रज की बाहरी स्वच्छता के साथ मन की शांति, सेवा और सामूहिक उत्तरदायित्व भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। आयोजन में स्थानीय प्रशासन, नंदगाँव के चेयरमैन चौधरी भीम सिंह, वार्ड सदस्यों, श्री कॉलेज के प्रबंधक मंतोष कृष्ण दास, प्रधानाचार्य श्री राम जी, विद्यालय के छात्र-छात्राओं और स्थानीय निवासियों का सराहनीय सहयोग रहा। आयोजकों ने कहा कि ब्रज की स्वच्छता और संरक्षण केवल किसी एक संस्था या अभियान की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि ब्रजवासियों और यहां आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की सामूहिक जिम्मेदारी है।



### सुरक्षा व्यवस्था पर पुलिस की रही पानी नजर

**मथुरा।** अहोई अष्टमी के पावन पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन आगरा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से गोवर्धन स्थित राधाकुंड तथा उसके आस-पास के संपूर्ण क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान प्रवेश व निकास मार्गों और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्थाओं को परखा । श्रद्धालुओं को सुगम एवं सुरक्षित स्नान कराने, यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने तथा भीड़ प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए मौके पर तैनात अधिकारियों और पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए एवं सी0सी0टी0वी0 (उउळश) कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर कैमरों की क्रियाशीलता और मॉनिटरिंग व्यवस्था की समीक्षा की। अधिकारियों ने पुलिस बल के साथ कुंड के आस-पास के गलियारों, मुख्य मार्गों और संवेदनशील पॉइंटों पर पैदल गश्त/निरीक्षण किया गया।

### आबकारी ने गोपनीय खरीद कर पकड़ी ओवररेटिंग, 75,000 रू. का अर्थदंड आरोपित

**मथुरा।** जिला आबकारी अधिकारी उपेंद्र सिंह ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह के निदेर्शों के क्रम में ओवररेटिंग एवं अवैध मदिरा के विरुद्ध विशेष प्रवर्तन अभियान संचालित किया जा रहा है। ओवररेटिंग एवं अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत दूरभाष एवं आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायत का संज्ञान लेते हुए जिला आबकारी अधिकारी द्वारा कंपोजिट मदिरा दुकान बठैन मोड़ थाना कोसी कलां पर स्वयं गोपनीय खरीद की गई। जांच के दौरान विक्रेता द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक धनराशि वसूल किए जाने की पुष्टि होने पर संबंधित अनुज्ञापी को नोटिस जारी कर ?75,000 (पचहत्तर हजार रुपये) का अर्थदंड आरोपित किया गया। साथ ही चेतावनी दी गई कि भविष्य में ओवररेटिंग की पुनरावृत्ति पाए जाने पर अनुज्ञापन निलंबित करते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। जिला आबकारी अधिकारी उपेंद्र सिंह द्वारा स्पष्ट किया गया कि जनपद में ओवररेटिंग एवं अवैध मदिरा के विरुद्ध औचक निरीक्षण एवं प्रवर्तन कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी तथा ओवररेटिंग, अवैध मदिरा आदि पाए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही एवं जुमार्ना लगाया जाएगा।

### बुजुर्ग दंपति ने फांसी लगाकर दी जान

**आगरा।** थाना शाहगंज क्षेत्र में रविवार को एक बुजुर्ग दंपति द्वारा खौफनाक आत्मघाती कदम उठाने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सराय ख्वाजा चौकी क्षेत्र की वर वाली गली में रहने वाले करीब 60 वर्षीय बुजुर्ग पति-पत्नी ने देर रात कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना में पति का शव घर में ही बनी दुकान में मिला, जबकि पत्नी का शव मकान के एक कमरे में फंदे से लटका हुआ पाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सराय ख्वाजा निवासी बुजुर्ग शेरू और उनकी पत्नी ने अज्ञात कारणों के चलते देर रात यह खौफनाक कदम उठाया। रविवार सुबह जब परिजनों और आसपास के लोगों को इस घटना की जानकारी हुई, तो घर में कोहराम मच गया। एक ही घर के भीतर पति-पत्नी दोनों के फंदे से लटके होने की खबर से मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलने पर शाहगंज थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने दोनों शवों को फंदे से नीचे उतरवाकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस की शुरूआती पड़ताल, परिजनों व आसपास के पड़ोसियों से की गई पूछताछ में फिलहाल आत्महत्या के ठोस कारणों का पता नहीं चल सका है। अधिकारियों का कहना है कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की हर पहलू से गहनता से जांच की जा रही है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

## खादी का फैशन शो, रैंप पर दिखी परंपरा और आधुनिकता की जुगलबंदी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

ब्रजरज उत्सव-2026 में रविवार को खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से आयोजित फैशन शो में परंपरागत खादी का आधुनिक और आकर्षक रूप देखने को मिला। रैंप पर उतरीं मॉडलों ने आठ अलग-अलग राउंड में खादी से तैयार विविध परिधानों का प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आधुनिक डिजाइन, आकर्षक रंगों और बदलते फैशन के अनुरूप तैयार परिधानों ने यह संदेश दिया कि खादी अब केवल पारंपरिक पहनावे तक सीमित नहीं, बल्कि आधुनिक फैशन की भी मजबूत पहचान बन रही है।

मथुरा के धौली प्याऊ स्थित रेलवे ग्राउंड में आयोजित फैशन शो का व्यापार उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष रविकांत गर्ग, जिला उपाध्यक्ष मनीषा पराशर, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे, खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के उपमुख्य कार्यपालक अधिकारी राजीव त्यागी, ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपमुख्य कार्यपालक अधिकारी सतीश चंद्र, ग्रामोद्योग प्रबंधक नीतू यादव और कार्यक्रम संयोजक जिला ग्रामोद्योग




अधिकारी अनिल कुमार तथा एकता जैन और सुजल जैन की उपस्थिति में हुआ।

फैशन शो में आधुनिक फैशन डिजाइनरों की परिकल्पना के अनुरूप तैयार खादी के परिधानों को रैंप पर प्रस्तुत किया गया। विशेष रूप से युवाओं की रुचि और वर्तमान फैशन ट्रेंड को ध्यान में रखकर तैयार ड्रेसेज आकर्षण का केंद्र रहीं। खादी की प्राकृतिक गुणवत्ता, सादगी और पर्यावरण अनुकूल विशेषताओं के साथ आधुनिक डिजाइन का संगम दर्शकों को खूब पसंद आया।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि

इस आयोजन का उद्देश्य प्रधानमंत्री के 'खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन' के संदेश और 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। खादी को आधुनिक फैशन फैब्रिक के रूप में स्थापित करने के लिए विभाग की ओर से ब्रांडिंग, व्यापक प्रचार-प्रसार और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बिक्री को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही खादी कारीगरों, संस्थाओं और ग्रामोद्योग उद्यमियों को डिजाइन, प्रोसेसिंग, उद्यमिता, ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग का प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि ब्रजरज उत्सव में खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से दस खादी स्टॉल लगाए गए हैं। यहां उत्कृष्ट खादी उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री के साथ ग्रामोद्योग से जुड़े उद्यमियों को भी अपने उत्पादों के विपणन का मंच उपलब्ध कराया गया है।

## ब्रजरज उत्सवः महारास, भजन क्लबिंग और भक्ति संगीत ने बांधा समां

**मथुरा।** ब्रजरज उत्सव-2026 की सांस्कृतिक संध्या में रविवार को ब्रज की भक्ति, शास्त्रीय नृत्य और आधुनिक संगीत का अनूठा संगम देखने को मिला। प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना गीतांजलि शर्मा ने महारास, मयूर रास और ब्रज की पारंपरिक होली की प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया, वहीं भजन गायिका मानसी सिंह के मधुर भजनों और मधुरम डिवोशनल बैंड की भजन क्लबिंग ने भक्ति संगीत के नए रंग बिखेरे। तीनों प्रस्तुतियों ने दर्शकों को ब्रज की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ दिया।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 11 दिवसीय ब्रजरज उत्सव अब एक दिन बाद समाप्त होने जा रहा है। इस उत्सव का स्थानीय लोगों के साथ ब्रज दर्शन के लिए आए पर्यटकों ने भी जमकर लुत्फ उठाया। लोगों ने गीत-संगीत के साथ खानपान और मनोरंजन का आनंद लिया। एक जनपद एक उत्पाद, हस्तशिल्प, खादी सहित अन्य सामान की जमकर खरीदारी की। दोपहर से शुरू होने वाले ब्रजरज उत्सव में देर रात तक रौनक देखी गई।



रविवार को सांस्कृतिक मंच पर भक्ति संगीत का एक अलग ही अंदाज देखने को मिला। मधुरम डिवोशनल बैंड ने भजन क्लबिंग की अनूठी प्रस्तुति से श्रोताओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। पारंपरिक भजनों को आधुनिक संगीत और वाद्ययंत्रों के साथ नए अंदाज में प्रस्तुत किया गया।

बैंड के कलाकारों ने भक्ति संगीत को ड्रम, बास और लीड गिटार, कीबोर्ड, बांसुरी, तबला और ढोलक की संगत ने भजनों को नई लय और ऊर्जा प्रदान की।

प्रस्तुति की शुरूआत अरमान और पूजा ने गणेश वंदना से की। इसके बाद शुरू हुआ स्वरों का यह दौर देर रात तक तालियों की आवाज के साथ जारी रही। शिव कैलाशों के वासीह्ल, ह्यकिशोरी कुछ ऐसा इंतजाम हो जाएह्ल, ह्यराधे अलबेली सरकारह्ल, ह्यमेरे कान्हा ने बंसी बजाईह्ल और ह्यराम आएंगे तो अंगना सजाऊंगीह्ल जैसे लोकप्रिय भजनों ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। दर्शक भी भजनों की धुन पर झूमते नजर आए।

प्रस्तुतियों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। ब्रजरज उत्सव-2026 के सांस्कृतिक मंच पर रविवार को ब्रज की भक्ति, प्रेम और लोकपरंपराओं का अनूठा संगम देखने को मिला। प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना गीतांजलि शर्मा ने अपने समूह के साथ राधा-कृष्ण की लीलाओं पर आधारित भव्य नृत्य प्रस्तुतियों से दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

गीतांजलि शर्मा ने राधा-कृष्ण वंदना से कार्यक्रम की शुरूआत की। कथक की भाव-भंगिमाओं और लयबद्ध पद संचालन ने दर्शकों को ब्रज की भक्ति परंपरा से जोड़ दिया।

## धनतेरस और दीपावली पर आगरा में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

**आगरा।** आगामी धनतेरस और दीपावली के पवित्र त्योहारों के मद्देनजर आम जनमानस की सुरक्षा और शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस आयुक्त दीपक कुमार के निर्देशन में नगर जोन में व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। त्योहारों के दौरान बाजारों में उमड़ने वाली भीड़ और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है।

सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता बनाते हुए नगर जोन में कुल 103 प्रमुख चेकिंग प्वाइंट्स चिह्नित किए गए हैं, जहां पुलिस पिकेट और बैरियर स्थापित किए गए हैं। इन स्थानों पर विशेष ड्यूटी चार्ट के तहत पुलिसकर्मियों को तैनात कर चेकिंग के संबंध में विस्तृत ब्रीफिंग दी गई है। इसके अलावा, शहर में सुरक्षा के घेरे को मजबूत करने के लिए 13 मुख्य एंट्री प्वाइंट्स को 'आउटर कॉर्डन' के रूप में विकसित किया गया है, जहां बैरियर और पिकेट लगाकर शहर में आने वाले सभी संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

त्योहारी सीजन को देखते हुए पीआरवी वाहनों के रूट्स का पुनर्निर्धारण किया गया है। इन्हें प्रमुख बाजारों, संवेदनशील हॉटस्पॉट और संभावित अपराध प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया गया है। इसके साथ ही, महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए 'मिशन शक्ति' और एंटी रोमियो टीमों को विशेष रूप से ब्रीफ करके बाजारों व चौराहों पर गश्त, चेकिंग और आमजन से संवाद स्थापित करने के लिए रवाना किया गया है।

## संत साँई कंवर राम के बलिदान दिवस पर लघु फिल्म का भव्य प्रीमियर लॉन्च

### केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल और कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य ने की शिरकत

आगरा। शहर के पंचकुइयाँ स्थित माथुर वैश्य भवन में रविवार को सिंधी समाज के महान संत साँई कंवर राम के बलिदान दिवस पर उनके जीवन दर्शन पर आधारित लघु फिल्म का गरिमामय प्रीमियर लॉन्च समारोह आयोजित किया गया। राजकुमार सामा विचार मंच के बैनर तले और आर.ए. मूवीज के सहयोग से हुए इस आयोजन में शहर के प्रबुद्ध नागरिकों और समाजसेवियों की भारी भीड़ उमड़ी। यह पूरा समारोह शहर के प्रमुख समाजसेवी व उद्यमी पूरन डावर के माता-पिता स्वर्गीय सतवंती डावर एवं स्वर्गीय लालचंद डावर की पावन स्मृति को समर्पित रहा।

समारोह का शुभारंभ इंदौर के सांसद शंकर लालवानी, केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल, कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य, सोमनाथ धाम के संत जहाजनाथ महाराज, उद्यमी पूरन डावर और संस्कार भारती के बांकेलाल गौड़ ने भगवान झूलेलाल व भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और सनातन पद्धति से घंटी बजाकर किया।



त्याग और मानवता के प्रतीक थे संत साँई कंवर राम

समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने कहा कि संत साँई कंवर राम का संपूर्ण जीवन त्याग, तपस्या, भक्ति, मानवता और निस्वार्थ सेवा का अनुपम उदाहरण है। उनका जीवन दर्शन आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत है। कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य ने अपने संबोधन में आह्वान किया कि हम सभी को संत कँवर राम जैसे महान संतों के उच्च चरित्र को अपने जीवन में उतारना चाहिए।

अतिथियों ने राजकुमार सामा विचार मंच के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे महापुरुषों के जीवन पर आधारित फिल्में सनातन संस्कृति और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का सबसे सशक्त माध्यम हैं।

भावपूर्ण दृश्यों ने किया मंत्रमुग्ध

समारोह के दौरान जब एलईडी स्क्रीन पर संत साँई कंवर राम के जीवन से जुड़े भावपूर्ण, भक्तिमय दृश्यों और सुमधुर संगीत से सजे भजनों का प्रसारण हुआ, तो पूरा सभागार "जय झूलेलाल" और "संत साँई कंवर राम अमर रहें" के जयघोष से गूँज उठा। फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाले अभिनेता जितेश आसीवाल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन विजय सामा ने किया। इस दौरान मंच के संयोजक रंजीत सामा, विजय सामा, सह निमार्ता नारायण दास लालवानी, कमल मतलानी, नरेंद्र कश्यप 'गुन्नी भाई', लेखक-निर्देशक सूरज तिवारी, गीतकार संजय दुबे, स्टोरी आइडिया प्रस्तोता धर्मपाल कश्यप 'बाबू भाई' और व्यवस्था प्रमुख जयरामदास ने अतिथियों का स्वागत किया।

समारोह में घनश्याम देवनानी, चंद्र प्रकाश सोनी, गिरधारी लाल भगत्यानी, जितेंद्र त्रिलोकानी, निर्मला दीक्षित, सुधीर भोजवानी, हेमंत भोजवानी, विनोद शीतलानी, प्रमोद महाजन, राहत जहाँ खानम, प्रमोद वर्मा, जेठा भाई और परमानंद अवतानी सहित सिंधी समाज और शहर के तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

### पेंशनरों के लिए बड़ी राहतः अब घर बैठे ऑनलाइन जमा कर सकेंगे जीवित प्रमाण-पत्र, कोषागार के चक्कर काटने से मिली मुक्ति



**आगरा।** कोषागार से पेंशन प्राप्त करने वाले बुजुर्ग पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। अब पेंशनरों को अपना जीवित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने के लिए कोषागार कार्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे, बल्कि वे घर बैठे ही पूरी आसानी से ऑनलाइन माध्यम से इसे जमा कर सकेंगे। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने जनपद के सभी पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों से अपील की है कि जिन पेंशनरों के जीवित प्रमाण-पत्र की वैधता समाप्त होने वाली है, वे बिना किसी भागदौड़ के घर से ही डिजिटल माध्यम का उपयोग कर अपना प्रमाण-पत्र ऑनलाइन जमा करें। इसके लिए पेंशनरों को व्यक्तिगत रूप से कोषागार में उपस्थित होने की कोई आवश्यकता नहीं है। मुख्य कोषाधिकारी ने समझाई ऑनलाइन प्रक्रिया मुख्य कोषाधिकारी वरुण खरे ने डिजिटल प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पेंशनर अपने या अपने परिवार के किसी सदस्य के स्मार्टफोन के जरिए बेहद आसानी से यह काम हो सकता है 1 से 30 नवंबर तक चलेगा राष्ट्रव्यापी अभियान मुख्य कोषाधिकारी ने आगे बताया कि पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग , भारत सरकार द्वारा 01 नवंबर 2026 से 30 नवंबर 2026 तक राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस डिजिटल सुविधा के शुरू होने से बुजुर्ग पेंशनरों को कोषागार कार्यालय आने-जाने की परेशानी से मुक्ति मिलेगी और वे अपने घरों से ही समय पर प्रमाणीकरण पूरा कर सकेंगे।

# कासगंज में यातायात माह का भव्य आगाज

## एसपी ओ.पी. सिंह ने खुद बिना हेलमेट चालकों को पहनाए हेलमेट, बोलेझ 'सुरक्षित सफर ही है असली जीवन'

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

रविवार से 'यातायात माह नवंबर-2026' का विधिवत और जोरदार आगाज हो गया है। सोरों गेट पुलिस चौकी पर आयोजित भव्य समारोह में पुलिस अधीक्षक ओ.पी. सिंह ने फीता काटकर यातायात माह का शुभारंभ किया। इस दौरान एसपी ने खुद आगे आकर बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चला रहे नागरिकों को अपने हाथों से हेलमेट पहनाकर सड़क सुरक्षा का कड़ा और अनूठा संदेश दिया। कार्यक्रम के बाद जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर शहर के भ्रमण के लिए रवाना किया गया।

"नियमों का पालन हर नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी"

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य विकास अधिकारी वीरेंद्र सिंह, अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार गुप्ता और पुलिस अधीक्षक ओ.पी. सिंह ने संयुक्त रूप से आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया।

एसपी ओ.पी. सिंह ने उपस्थित व्यापारियों, एनसीसी कैडेट्स, गणमान्य नागरिकों और पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए दो-टूक शब्दों में कहा कि सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम कसने के लिए हर नागरिक को यातायात नियमों का पालन करना होगा। उन्होंने अपील की:

दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें।



चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट जरूर लगाएं।

शराब या किसी भी प्रकार के नशे की हालत में वाहन बिल्कुल न चलाएं।

वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल जानलेवा साबित हो सकता है, इससे बचें।

निर्धारित गति सीमा का हमेशा ध्यान रखें।

अधिकारियों की मौजूदगी और जागरूकता रैली

समारोह में अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह, एसडीएम सदर एस.एन. त्रिपाठी, एआरटीओ राम प्रकाश मिश्रा, क्षेत्राधिकारी यातायात रजनीश कुमार उपाध्याय, सीओ सिटीआंचल चौहान, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली जगदीश चंद्र और प्रभारी यातायात लक्ष्मण सिंह समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी और भारी संख्या में शहरवासी मौजूद रहे।

एआरटीओ राम प्रकाश मिश्रा ने सड़क सुरक्षा के तकनीकी पहलुओं और नियमों की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में नागरिकों व वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए गए। इसके बाद एनसीसी कैडेट्स और पुलिस बल के साथ निकाली गई भव्य जागरूकता रैली को अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर शहर के मुख्य मार्गों के लिए रवाना किया।

पूरे नवंबर माह चलेगा सघन अभियान

कासगंज पुलिस ने स्पष्ट किया है कि 1 नवंबर से शुरू हुआ यह यातायात माह पूरे महीनेभर विभिन्न चरणों में चलाया जाएगा। इस दौरान स्कूल-कॉलेजों, चौराहों और बाजारों में विशेष जागरूकता शिविर आयोजित होंगे। साथ ही, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ सख्त प्रवर्तन कार्यवाही भी की जाएगी।

कासगंज पुलिस की अपील:

"सुरक्षित सफर, सुरक्षित जीवन–यातायात नियमों का पालन, सभी का दायित्व है। हेलमेट और सीट बेल्ट पहनें, सुरक्षित घर लौटें।"

## ऐशबाग-कासगंज इंटरसिटी एक्सप्रेस में मिला अज्ञात का शव



**कासगंज।** रविवार की सुबह रेलवे स्टेशन पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एशबाग-कासगंज इंटरसिटी एक्सप्रेस की एक बोगी के भीतर एक अज्ञात यात्री का शव मिलने की सूचना सामने आई। उप स्टेशन अधीक्षक, कासगंज के आधिकारिक मेमो के जरिए जीआरपी थाना पुलिस को इस घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही जीआरपी थाना कासगंज की पुलिस टीम तुरंत हरकत में आई। उप निरीक्षक सत्यपाल सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ट्रेन के कोच नंबर डी-4 में कानूनी प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू की। बीमारी के कारण मौत की आशंका प्राथमिक जांच और घटनास्थल के हालात को देखते हुए पुलिस का अनुमान है कि मृतक की मृत्यु किसी गंभीर बीमारी के चलते हुई है। हालांकि, मौत के असली कारणों का सटीक खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। पहचान छिपाए हुए है वक्त, 72 घंटे के लिए सुरक्षित रखा गया शव मृतक की उम्र करीब 55 वर्ष आंकी गई है। दुर्भाग्यवश, शव के पास या आसपास तलाशी लेने के बाद भी कोई भी पहचान पत्र (आईडी कार्ड) या दस्तावेज बरामद नहीं हो सका है, जिससे उसकी शिनाख्त में मुश्किलें आ रही हैं। जीआरपी पुलिस ने शव की पहचान सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास तेज कर दिए हैं। फिलहाल, मृतक के शव को शिनाख्त के वास्ते नियमानुसार 72 घंटे के लिए जिला पोस्टमार्टम गृह के शीतगृह (मथुर्री) में सुरक्षित रखवा दिया गया है। पुलिस आसपास के थानों और यात्रियों के जरिए मृतक की पहचान स्थापित करने में जुटी है।

## गंजडुंडवारा पुलिस ने चोरी के जेवर समेत दो आरोपी पकड़े

**कासगंज।** गंजडुंडवारा कोतवाली में दर्ज चोरी के मामले में अग्रिम कार्रवाई करते हुए पुलिस ने वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने चोरी के जेवर बरामद किए हैं। गंजडुंडवारा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक चमन कुमार गोस्वामी ने बताया कि गत दिनों चोरी के संबंध में कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू की। प्रकरण में पुलिस ने सटीक जानकारी पर वांछित आरोपी किशन पुत्र रामौतार, गोपाल पुत्र रामौतार निवासीगण सुजरई थाना अमांपुर को बम्बे के किनारे से गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से पुलिस ने चोरी के जेवर कए सोने के एक जोड़ी मंगल सूत्र, चांदी के एक जोड़ी हथफूल, एक जोड़ी तोड़िया, एक जोड़ी करधनी बरामद की है। पुलिस ने आरोपियों का आपराधिक इतिहास जुटाया है। अग्रिम कार्रवाई करते हुए आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

## चोरी की घटना में वांछित आरोपी जेवरात व फरसा समेत गिरफ्तार

**कासगंज।** सोरों कोतवाली में दर्ज चोरी की घटना के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक जोडी पायल, एक कमर कंधनी व घटना में प्रयुक्त किया गया फरसा बरामद किया गया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया है। सोरों कोतवाली प्रभारी निरीक्षक लोकेश भाटी ने बताया कि कोतवाली में दर्ज चोरी की घटना में वांछित आरोपी रज्जो उर्फ राजेश पुत्र महाराज सिंह निवासी पैसोई थाना सोरों को पुलिस ने सलेमपुर बीबी के निकट से गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए जेवरात में से एक जोड़ी पायल व एक कमर कन्धनी, घटना में प्रयुक्त एक लोहे का फर्सा बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी का आपराधिक इतिहास भी जुटाया है।

## आवारा सांड ने किसान को पटक-पटक कर किया घायल

**कासगंज।** सिढ़पुरा क्षेत्र में आवारा पशुओं का आतंक लोगों के लिए मुसीबत बनता जा रहा है। रविवार सुबह समोठी रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास खेत जा रहे एक किसान पर आवारा सांड ने हमला कर दिया। सांड ने युवक को कई बार सींगों से पटककर गंभीर रूप से घायल कर दिया। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने किसी तरह सांड को भगाकर युवक की जान बचाई। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज एटा रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, ग्राम पियरी निवासी मोहित कुमार (28) पुत्र रामस्वरूप रविवार सुबह करीब 10 बजे बैलगाड़ी से खेत जा रहे थे। समोठी रोड पर पेट्रोल पंप के पास अचानक झाड़ियों से निकले सांड ने बैलगाड़ी पर हमला कर दिया। टक्कर लगने से मोहित सड़क पर गिर पड़े। इसके बाद सांड ने उन पर लगातार सींगों से वार किए। शोर सुनकर खेत में मौजूद पिता रामस्वरूप और अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। काफी मशक्कत के बाद सांड को खदेड़ा जा सका। हमले में मोहित के पैर, जांघ, कमर और घुटनों में गंभीर चोटें आईं। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस से घायल को पीएचसी सिढ़पुरा पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए एटा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घटना से ग्रामीणों में रोष है। उन्होंने प्रासन से आवारा पशुओं को पकड़कर गोशालाओं में भिजवाने और क्षेत्र में अभियान चलाने की मांग की है।

## सड़क हादसे में एटा में तैनात कानूनगो की मौत, परिजनों में कोहराम

**ढोलना।** एटा जनपद में कानूनगो के पद पर तैनात अलीगढ़ निवासी 50 वर्षीय हेमंत सिंह की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। शुक्रवार शाम ड्यूटी खत्म कर बाइक से अपने गांव लौटते समय ढोलना थाना क्षेत्र के दुनियागंज के पास एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मूल रूप से अलीगढ़ जिले के अतरौली थाना क्षेत्र स्थित गांव चोमुआ के रहने वाले हेमंत सिंह पुत्र टीकम सिंह एटा जनपद में कानूनगो पद पर कार्यरत थे। शुक्रवार शाम लगभग 6:30 बजे वह अपनी बाइक से गांव जाने के लिए निकले थे। जैसे ही वह ढोलना थाना क्षेत्र के दुनियागंज पहुंचे, तभी सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी बाइक में सीधी टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली समेत मौके से फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने आनन-फानन में एंबुलेंस के जरिए हेमंत सिंह को जिला अस्पताल भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस द्वारा घटना की जानकारी परिजनों को दी गई। सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मृतक अपने पीछे पत्नी समनदेवी, दो बेटे अभय (22 वर्ष) व ललित (16 वर्ष) और बेटी महक (20 वर्ष) को छोड़ गए हैं। हेमंत सिंह के छोटे भाई ने बताया कि वह एटा में ही तैनात थे और रोजाना की तरह कार्य निपटाकर घर लौट रहे थे। समाचार लिखे जाने तक परिजनों की ओर से थाने में कोई लिखित तहरीर नहीं दी गई थी। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## कासगंज में संभलकर! सर्पदंश से एक ही दिन में तीन लोग गंभीर, सफाई और खेत पर काम के दौरान डसा

**कासगंज।** जिले में एक बार फिर नाग देवता का कहर देखने को मिला है। रविवार की सुबह जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई सर्पदंश की तीन अलग-अलग घटनाओं से हड़कंप मच गया। मंदिर की सफाई से लेकर खेत में काम कर रहे तीन लोगों को जहरीले सांप ने अपना शिकार बना लिया। गनीमत रही कि समय रहते परिजनों और ग्रामीणों की सूझबूझ से तीनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया गया, जहां उनका इलाज जारी है। केश 1: मंदिर की सफाई के दौरान वृद्ध को डसा सिकंदरपुर वैश्य थाना क्षेत्र के पीतम नगर निवासी 65 वर्षीय रामपाल पुत्र जयवीर सिंह रविवार की सुबह करीब 9:30 बजे गंगा गिर मंदिर की सफाई कर रहे थे। इसी दौरान वहां छिपे बैठे एक जहरीले सांप ने उनके पैर में डस लिया। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तुरंत तत्परता दिखाते हुए उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। केश 2: खेत में कूड़ा निकालते वक्त युवती पर हमला कासगंज थाना क्षेत्र के नगला गुमानी निवासी नीरज कुमार की 21 वर्षीय पुत्री निशा रविवार की सुबह करीब 8:30 बजे अपने खेत पर काम कर रही थी। खेत में कूड़ा निकालते वक्त अचानक एक सांप ने उसके पैर के अंगूठे को अपना निशाना बना लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

## जीआरपी की बड़ी कार्रवाई: मोबाइल चोरी करने वाला शातिर गिरफ्तार

**कासगंज।** वृंदावन से वृद्ध मां का इलाज कराकर लौट रहे एक व्यक्ति का मोबाइल चोरी करने वाले शातिर चोर को जीआरपी थाना पुलिस ने मात्र छह घंटे के भीतर धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया करीब 26 हजार रुपये कीमत का वीवो एंड्रॉइड मोबाइल भी बरामद कर लिया है। पकड़ा गया शातिर आरोपी पुलिस को गुमराह करने के लिए अपने और पिता के दो अलग-अलग नाम इस्तेमाल करता था। क्या था पूरा मामला जीआरपी थाना कासगंज को पीड़ित उत्तम शाक्य पुत्र रामबाबू, निवासी रायपुर खास (थाना कायमगंज, जनपद फरुर्खाबाद) ने सूचना दी थी कि वह 1 नवंबर 2026 को अपनी बुजुर्ग मां का इलाज कराकर वृंदावन (मथुरा) से लौट रहे थे। कासगंज रेलवे स्टेशन पर थकान के कारण उनकी आंख लग गई, इसी दौरान अज्ञात चोर ने उनका कीमती एंड्रॉइड मोबाइल चोरी कर लिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए जीआरपी थाने में तत्काल मुकदमा अपराध संख्या 33/2026 धारा 305(बी) बीएनएस के तहत अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

# कासगंज में सराफा व्यापारी से अभद्रता पर उबाल

**कासगंज।** बिलराम गेट स्थित 'दीपक ज्वेलर्स' के स्वामी के साथ गंजडुंडवारा पुलिस द्वारा किए गए कथित दुर्व्यवहार और जबरन थाने ले जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस घटना से आक्रोशित जिलेभर के सराफा व्यापारियों ने एकजुट होकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया है। पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह के सख्त आश्वासन और निष्पक्ष जांच के भरोसे के बाद ही व्यापारियों का गुस्सा शांत हो सका।

क्या है पूरा मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक स्थानीय व्यक्ति की शिकायत पर दरोगा राजपाल कुछ पुलिसकर्मियों के साथ बिलराम गेट स्थित दीपक ज्वेलर्स पहुंचे थे। पुलिसकर्मियों का आरोप था कि व्यापारी रामबाबू साहू ने चोरी या संदेहास्पद सोने की चेन खरीदी है।

व्यापारी द्वारा चेन खरीदने की बात से साफ इनकार करने के बावजूद, पुलिसकर्मी उन्हें बातचीत के बहाने दुकान से बाहर ले आए। आरोप है कि पुलिस ने उनके साथ अभद्रता की और जबरन धक्का देते हुए पुलिस गाड़ी में बैठाकर थाने ले गए, जिससे स्थानीय दुकानदारों में हड़कंप मच गया।



उच्चाधिकारियों के हस्तक्षेप से छूटे व्यापारी

घटना की सूचना मिलते ही जिला सराफा एसोसिएशन के पदाधिकारी तुरंत सक्रिय हो गए और उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह और क्षेत्राधिकारी ने तुरंत संज्ञान लिया, जिसके बाद व्यापारी रामबाबू साहू को थाने से रिहा किया गया।

यातायात माह कार्यक्रम में उमड़ा व्यापारियों का रोष

सोरो गेट स्थित आंबेडकर पार्क में आयोजित 'यातायात माह' कार्यक्रम के दौरान जिला सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष अखिलेश अग्रवाल के नेतृत्व में व्यापारियों ने एसपी ओम प्रकाश सिंह के समक्ष जोरदार विरोध दर्ज कराया।

# विधिक शिविर में 4,962 लाभार्थियों को मिला सरकारी योजनाओं का लाभ

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में रविवार को बारह पत्थर मैदान, सोरों गेट, कासगंज में एक भव्य और वृहद विधिक साक्षरता एवं सेवा शिविर (मेगा शिविर) का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के दिशा-निदेर्शों पर आयोजित इस मेगा शिविर का शुभारंभ माननीय जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष, श्री रामेश्वर जी ने फीता काटकर, मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया।



न्याय और प्रशासन का दिखा अनूठा समन्वय

समारोह के दौरान न्यायपालिका और प्रशासनिक महकमे के शीर्ष अधिकारी एक मंच पर नजर आए। कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय श्री कृष्ण यादव, मोटर दुर्घटना प्रतिकर अधिकरण के पीठासीन अधिकारी श्री हरविन्दर सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री ओमप्रकाश सिंह, अपर जिला जज प्रथम श्री रत्नेश कुमार श्रीवास्तव, विशेष न्यायाधीश पोक्सो एक्ट श्री धनन्जय कुमार मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी श्री वीरेन्द्र सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) श्री मन्जूर अहमद अन्सारी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री खान जीसान मसूद और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सुश्री शालिनी विधेय सहित तमाम न्यायिक व प्रशासनिक अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

30 स्टॉल और 7,034 पंजीकरणः योजनाओं का दिखा व्यापक असर

मेगा शिविर में जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए कुल 7,034 लाभार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया। जिला विकास विभाग, समाज कल्याण, कृषि, स्वास्थ्य, आवास विकास, उद्योग, महिला एवं बाल विकास, पंचायत और श्रम विभाग सहित कुल 30 विभिन्न विभागों के स्टॉल मैदान में लगाए गए थे।

इन स्टॉल्स के माध्यम से आमजन को योजनाओं की जानकारी दी गई और मौके पर ही आवेदन प्राप्त कर उनका त्वरित निस्तारण किया गया। शिविर के दिन ही 1,042 लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ मिला। वहीं, मेगा शिविर के आयोजन से पहले चलाए गए प्री-कैम्प्स के जरिए 3,920 लाभार्थियों को पहले ही लाभान्वित किया जा चुका था। इस प्रकार प्री-कैम्प्स और मेगा शिविर को मिलाकर कुल 4,962 लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृति पत्र, धनराशि और अन्य सामग्रियां प्रदान की गईं।

गोद भराई और अन्नप्रासन कार्यक्रम ने जीता दिल

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद न्यायाधीश श्री रामेश्वर जी ने महिलाओं और बच्चों के कल्याण से जुड़ी पहलों में सहभागिता निभाई। उन्होंने गोद भराई योजना के तहत 05 गर्भवती महिलाओं को फल और पौष्टिक आहार वितरित किए। इसके साथ ही, 7 माह के शिशुओं–आध्या, आयशा, हर्ष, नव्यांश और अमन–का अन्नप्रासन संस्कार कराकर उन्हें अन्न ग्रहण कराया गया।

न्यायिक अधिकारियों, प्रशासनिक अमले के अथक प्रयासों और आम जनता की भारी उपस्थिति ने इस वृहद शिविर को ऐतिहासिक और पूरी तरह सफल बना दिया।

# आगरा दीवानी न्यायालय परिसर में मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का भव्य आयोजन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आगरा द्वारा रविवार को दीवानी न्यायालय परिसर (गेट नं.-1, सिविल कोर्ट) में एक भव्य मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष संजय कुमार मलिक द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

इस बृहद शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज के निर्धन, कमजोर वर्ग, महिलाओं, बच्चों, दिव्यांगजनों, श्रमिकों और अनुसूचित जाति/जनजाति के पात्र व्यक्तियों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना और उन्हें उनका सीधा लाभ दिलाना था। कार्यक्रम के दौरान चिह्नित लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, सहायता चेक और आवास की चाबियां आदि वस्तुएं प्रदान की गईं।

गणमान्य अधिकारियों की रही गरिमामयी उपस्थिति



इस अवसर पर अपर जिला जज व नोडल अधिकारी अमरजीत, अपर जिला जज व नोडल अधिकारी सुरजन सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी अरुण कुमार श्रीवास्तव, लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (कैनरा बैंक) ऋषि केस बैनर्जी, जिला विकास अधिकारी भावना यादव, समाज कल्याण अधिकारी, पुलिस प्रशासन की ओर से सहायक पुलिस आयुक्त श्वेता वर्मा, दोनों जेलों के अधीक्षक, समस्त न्यायिक अधिकारीगण, न्यायालय के कर्मचारी और बड़ी संख्या में आम जनमानस उपस्थित रहा।

विभिन्न विभागों ने लगाए स्टॉल

शिविर परिसर में जनपद के विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने विभागों से जुड़ी जनकल्याणकारी योजनाओं के सूचना स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉल्स के माध्यम से वहां पहुंचे पात्र लाभार्थियों को योजनाओं की बारीकियों से अवगत कराया गया और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के अंत में पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव/पंकज कुमार-क ने शिविर में पधारे सभी अतिथियों, अधिकारियों और लाभार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। वहीं, शिविर का कुशल संचालन न्यायिक अधिकारी अंबर राणा द्वारा किया गया। यह पूरा आयोजन बेहद सौहार्दपूर्ण और सफल माहौल में संपन्न हुआ।

# पुलिस परिवारों के स्वास्थ्य को समर्पित 'वामा वेलनेस कैंप'

- रिजर्व पुलिस लाइन्स में हुआ भव्य स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन; मुफ्त दवाएं और चिकित्सकीय परामर्श मिले

**आगरा।** पुलिस परिवार का स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता के संकल्प के तहत पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार के निर्देशन में रविवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स में ह्यवामा वेलनेस कैंपह्न का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन (वामा सारथी) के तत्वावधान में, वामा सारथी कमिश्नरेट आगरा की प्रभारी हेमलता एवं उनकी टीम द्वारा आयुष विभाग, उत्तर प्रदेश तथा प्रतिष्ठित के.पी. आयुर्विज्ञान संस्थान के सहयोग से इस स्वास्थ्य शिविर का सफल संचालन किया गया।

शिविर का मुख्य उद्देश्य पुलिसकर्मियों और उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य का ध्यान रखना, विभिन्न बीमारियों की समय पर पहचान करना और विशेष रूप से महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करना रहा।

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दी सेवाएं, मुफ्त हुआ दवाओं का वितरण

मेगा हेल्थ कैंप में जिला अस्पताल, पुलिस अस्पताल, सीएमओ कार्यालय, जिला होम्योपैथिक अस्पताल और के.पी. आयुर्विज्ञान संस्थान के विशेषज्ञ चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। कैंप में पहुंचे पुलिसकर्मियों और उनके परिजनों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप, नेत्र परीक्षण और अन्य चिकित्सकीय परीक्षण की विशेष व्यवस्था की गई थी। शिविर में डॉ. सुनीता उपेंद्र (पुलिस अस्पताल), डॉ. मनीष कुमार गुप्ता (आई सर्जन), डॉ. अंकित यादव (सीएमओ कार्यालय), सुनील गौतम (नेत्र परीक्षण अधिकारी), डॉ. सुधीर कुमार (बाल रोग विशेषज्ञ), डॉ. अभिषेक वत्स (सर्जन), डॉ. सुदीप कुमार (फिजीशियन), डॉ. आकाश गौतम (अस्थि रोग विशेषज्ञ) और डॉ. प्रतिका रानी (होम्योपैथिक) के साथ-साथ के.पी. आयुर्विज्ञान संस्थान के विशेषज्ञ डॉक्टरों जैसे डॉ. फरहा जावेद, डॉ. रवि कुमार जैन, डॉ. निष्ठ अग्रवाल और डॉ. सौम्या सिंह ने मरीजों का परीक्षण किया। जांच के उपरांत सभी को आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया।



**कठिन ड्यूटी के बीच स्वास्थ्य का ख्याल रखना जरूरी**

आयोजकों का कहना है कि पुलिसकर्मी बेहद चुनौतीपूर्ण और कठिन परिस्थितियों में चौबीसों घंटे अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। ऐसे में उनके और उनके परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखना उनके मनोबल और कार्यक्षमता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है। वामा सारथी द्वारा भविष्य में भी पुलिस परिवारों के समग्र कल्याण, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण के लिए ऐसे कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाते रहेंगे।

# आपसी मतभेद भुलाकर एक बार फिर जुड़े 9 बिछड़े जोड़े, बिखरने से बचे परिवार

**पुलिस कमिश्नरेट आगरा के केंद्र में कुशल काउंसलर्स की सूझबूझ लाई रंग;**

**आगरा।** पुलिस कमिश्नरेट आगरा के परिवार परामर्श केंद्र में रविवार को काउंसलिंग के दौरान एक सकारात्मक तस्वीर देखने को मिली। आपसी मतभेद और पारिवारिक कलह के चलते अलग होने की कगार पर पहुंच चुके 9 जोड़ों को कुशल काउंसलर्स ने समझाइश देकर सफलतापूर्वक एकजुट कर दिया। इस पहल से एक बार फिर कई उजड़ते परिवारों को टूटने से बचा लिया गया है.



पुलिस कमिश्नर के मार्गदर्शन में संचालित परिवार परामर्श केंद्र में पति-पत्नी और परिजनों द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्रों पर नियमित रूप से काउंसलिंग की जाती है. दंप?? की निजता और सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए केंद्र में 8 विशेष कक्ष बनाए गए हैं, ताकि काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी तरह सहज और सुरक्षित माहौल में हो सके.

20 में से 9 मामलों में बनी बात

रविवार को परामर्श केंद्र पर कुल 20 जोड़े काउंसलिंग के लिए उपस्थित हुए थे. दोनों पक्षों (पति-पत्नी) के बीच चल रहे विवादों और शिकायती बिंदुओं को कुशल काउंसलर्स ने बेहद संवेदनशीलता और ध्यानपूर्वक सुना. इसके बाद आपसी समन्वय, संवाद और समझाइश के जरिए उनके बीच की दूरियों को मिटाया गया. सकारात्मक बातचीत के बाद 9 जोड़ों ने अपने गिले-शिकवे भुलाकर एक बार फिर साथ रहने का निर्णय लिया, जिससे उनके परिवार बिखरने से बच गए.

परिवार परामर्श केंद्र आगरा पुलिस की एक बेहद प्रभावी और मानवीय पहल साबित हो रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य पारिवारिक विवादों का अनुभवी और संतोषजनक समाधान निकालना है, ताकि समाज में सौहार्द बना रहे और परिवार सुरक्षित रहें।

# वुमेंस प्रो वॉलीबॉल लीग में दम दिखाएगी 'पंजाब शेरनीज', आगरा में हुआ टीम का परिचय

**आगरा।** महिला वॉलीबॉल को प्रोत्साहित करने और खिलाड़ियों को पेशेवर मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित ह्यवुमेंस प्रो वॉलीबॉल लीगह्न के पहले सीजन में ह्यपंजाब शेरनीजह्न की टीम प्रतिभाग करेगी। रविवार को होटल भावना क्लार्क्स इन, कैलाशपुरी, सिकंदरा में आयोजित प्रेस वार्ता में टीम प्रबंधन ने फ्रेंचाइजी, खिलाड़ियों, कोच एवं सहभागियों की जानकारी देते हुए लीग की रूपरेखा साझा की।

फ्रेंचाइजी के सह-स्वामियों में शामिल इन्द्रेश प्रताप सिंह ने लीग के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आईपीएल एवं वुमेंस कबड्डी लीग की तर्ज पर पॉवर स्पाइक इंटरनेशनल द्वारा आयोजित इस लीग में देश के विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह टीमें खेलेंगी। लीग का आयोजन 11 से 21 नवंबर 2026 तक लखनऊ के इकाना इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा। इस दौरान कुल 18 मुकाबले खेले जाएंगे, जिनका सीधा प्रसारण जियो हॉटस्टार पर प्रतिदिन शाम 5:00 बजे से देखा जा सकेगा।



महिला वॉलीबॉल से खेलप्रेमियों को जोड़ने की पहल

फ्रेंचाइजी के को-ओनर आशु भदौरिया ने कहा कि हमारा उद्देश्य आगरा के खेलप्रेमियों को वुमेंस प्रो वॉलीबॉल लीग से जोड़ना और महिला वॉलीबॉल के प्रति उनकी रुचि एवं सहभागिता बढ़ाना है। फ्रेंचाइजी की को-ओनर एवं सीईओ प्रमुग्धा सोलंकी ने कहा कि यह लीग महिला खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर देगी। हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक बेटियां वॉलीबॉल से जुड़ें और अपनी खेल प्रतिभा को पहचान दें।

टीम के मानद सलाहकार सुशील यादव ने कहा कि पंजाब शेरनीज युवा प्रतिभाओं, टीम भावना और बेहतर प्रदर्शन के संकल्प के साथ मैदान में उतरेगी। खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के समन्वय से टीम लीग में अपनी मजबूत पहचान बनाने का प्रयास करेगी। को-ओनर मधुर लाहोटी ने कहा कि महिला वॉलीबॉल को व्यापक पहचान दिलाने में दर्शकों और खेलप्रेमियों का सहयोग महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी से लीग से जुड़ने और पंजाब शेरनीज सहित सभी महिला खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की।

12 खिलाड़ियों के दल में भारतीय और विदेशी प्रतिभाओं का संगम

पंजाब शेरनीज के खिलाड़ी दल में कविता, भूमिका ए.आर., मारिया सेबास्टियन, गोपिका गुणसेकरन, अल्पना तेतरवाल, अल्ना राज, आकांक्षा बनाफर, वेदिका शिंदे, ईशा, पायल बिस्वास, सेतायेश शबानी और अनन्या श्री पुजारी शामिल हैं। जूही शॉ टीम की आइकन प्लेयर के रूप में जुड़ी हैं। कविता और आकांक्षा बनाफर यूनिवर्सल खिलाड़ी हैं। भूमिका ए.आर., वेदिका शिंदे और ईरान की सेतायेश शबानी मिडिल ब्लॉकर की भूमिका निभाएंगी। मारिया सेबास्टियन सेटर तथा अल्ना राज और पायल बिस्वास लिबेरो के रूप में खेलेंगी। गोपिका गुणसेकरन, अल्पना तेतरवा



# क्या आप अचानक बेहोश हुए हैं? इसे बीपी न समझें

## दिल की बीमारियों का है इशारा

**अगर आप या आपका कोई जानने वाला अचानक बेहोश हुआ है, तो आपको तुरंत दिल के डॉक्टर से मिलना चाहिए क्योंकि यह किसी खतरनाक दिल के रोग का संकेत हो सकता है।**

सिंकोप, जिसे सामान्य भाषा में बेहोशी भी कहते हैं एक बहुत आम समस्या है। वैसे तो बेहोशी किसी को भी आ सकती है, और आम तौर से इसका कोई नुकसान भी नहीं होता है। बेहोशी का सबसे आम कारण ब्लड प्रेशर कम हो जाना या दिमाग में खून की आपूर्ति कम हो जाना है। लेकिन कभी-कभी बेहोशी किसी गंभीर समस्या का भी संकेत हो सकती है। हालांकि, कुछ मामलो में ये समस्या खतरनाक और भयावह रूप भी ले सकती है जिसका संबंध दिल की समस्या से भी हो सकता है।

सिंकोपी अचानक से होने वाली स्थिति है जिसमे व्यक्ति लड़खड़ाने लगता है और बेहोश हो जाता है, और जैसे ही उसे होश वापस आता है, वह ठीक हो जाता है। यह समस्या अररिथमिया के भी संकेत हो सकते है, जिसमे हृदय असामान्य रूप से धड़कने लगता है। यदि इसे नजरंदाज किया जाए, तो इसके गंभीर परिणाम निकल सकते हैं और व्यक्ति को अचानक स्ट्रोक या कार्डियेक अरेस्ट पड़ सकता है।

बेहोशी दिल के लिए क्यों है खतरनाक

बेहोशी अलग-अलग व्यक्तियों को अलग-अलग कारणों से हो सकती है। लेकिन यदि बार-बार ऐसा होता है, तो यह दिल या ब्लड वेसल की समस्या का संकेत हो सकता है। यह एक बड़ी गलतफहमी यह भी है की सिंकोपी केवल न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के कारण होती है। इसके कारण बहुत कम मरीज ही प्राथमिक चरण में कार्डियोलॉजिस्ट के पास पहुँच पाते हैं। कार्डियेक सिंकोप अक्सर अचानक होती है, और मरीज को चक्कर आने या बेहोशी का कोई भी पूर्व लक्षण महसूस नहीं होता है। इसलिए इस समस्या का कारण जानने के लिए उचित निदान कराया जाना बहुत जरूरी है।

### बेहोशी के चेतावनी के संकेत

- तेजी से दिल धड़कना
- मितली आना
- आँखों के आगे अंधेरा छाना
- सिर घूमना
- अचानक गिर पड़ना
- चक्कर आना
- कमजोरी
- अस्थिर महसूस करना
- दृष्टि में परिवर्तन
- सिरदर्द
- त्वचा का फीका पड़ना
- घबराहट

### बेहोशी के मुख्य कारण

**अरिथमिया**- बेहोशी अरिथमिया के शुरुआती लक्षणों में से एक है, जिसमें शरीर के दूसरे हिस्सों को खून की आपूर्ति असामान्य हो जाती है। कई मामलों में यह कोई नुकसान नहीं पहुँचाता है, लेकिन यदि इसे समय पर न पहचाना जाए या इसका इलाज न कराया जाए, तो उसके परिणाम जानलेवा भी हो सकता है।

**आयोर्टिक डिसेक्शन**- यह स्थिति बहुत तब होती है जब दिल से शरीर के दूसरे हिस्सों को खून पहुँचाने वाली बड़ी आर्टरी फट जाती है। इसके शुरुआती लक्षणों में बेहोशी भी शामिल है।

**आयोर्टिक वॉल्व स्टेनोसिस**- इस स्थिति में हृदय और आयोर्टा के बीच का वॉल्व संकरा हो जाता है। यह जन्म के समय या वृद्धावस्था में हुआ करता है।

**बड़ी चोटें**- बेहोशी आने पर गिरकर गंभीर चोट लगने की संभावना होती है। यह चोट अगर सिर में या हड्डी में लगे तो स्थिति खतरनाक हो सकती है।



### बेहोशी को कैसे कंट्रोल करें

- बेहोश होने का रिकॉर्ड रखें और इसके कारणों को जानने का प्रयास करें। बेहोशी की किसी भी घटना के जानलेवा परिणाम हो सकते हैं, इसलिए इन्हें नजरंदाज नहीं करना चाहिए।
- यदि सिंकोप का कोई भी पूर्व लक्षण जैसे चक्कर, मितली, अत्यधिक कमजोरी, थकान, या दृष्टि में परिवर्तन महसूस हो, तो विशेष की राय लें।
- अचानक बेहोश हो जाने पर फौरन बैठ जाएं या लेट जाएं ताकि चोट न लगे। इससे दिमाग में खून का सर्कुलेशन भी बढ़ जाएगा।
- सिंकोप जीवनशैली में परिवर्तन, दवाईयों, और इलाज द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है। इसलिए स्वस्थ आहार लेना, स्वस्थ वजन बनाए रखना, पूरी नींद लेना, और नियमित तौर से व्यायाम करना बहुत जरूरी है।
- यदि आँखों के सामने अंधेरा ब्लड प्रेशर नियंत्रण के असामान्य न्यूरोलॉजिकल रैगुलेशन के कारण हो रहा है, तो व्यक्ति को सामान्य घरेलू उपायों, जैसे नमक का सेवन बढ़ाने, भरपूर पानी पीने, और अन्य सुरक्षा सावधानियाँ बरतने की जरूरत है।
- यदि सिंकोपी दिल की धड़कन बहुत मंद हो जाने (ब्रैडीकार्डिया) के कारण होती है, तो उसका मानक इलाज एक पेसमेकर लगाकर किया जाता है। पेसमेकर एक छोटा सा उपकरण होता है, जो हृदय को शक्तिशाली इलेक्ट्रिकल सिग्नल भेजकर अनियमित हृदय स्पंदनों को नियंत्रित करता है।

# वीगन चाय के साथ करें सुबह की शुरूआत



दुनिया भर में वीगनिज़्म बहुत तेजी से बढ़ रहा है। फिट रहने और वजन कम करने के लिए यह डाइट फिटनेस इंडस्ट्री में काफी फॉलो की जा रही है। अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए आप में से बहुत से लोग भी वीगन डाइट फॉलो करते होंगे। पर क्या वीगनिज़्म के कारण आप अपनी मसाला चाय मिस करती हैं? तो हम आपके लिए लाए हैं टोटल वीगन टी। जो न सिर्फ हेल्दी है, बल्कि टेस्टी भी है। और इसमें आपकी मसाला चाय के सारे गुण हैं। तो फिर देर किस बात की, आइए जानते हैं वीगन चाय की रेसिपी और उसके फायदे।

### क्या है वीगन चाय?

दुनिया भर में वीगनिज़्म तेजी से बढ़ रहा है। इसमें लोग केवल प्लांट बेस्ड फूड का ही सेवन करते हैं। जबकि साधारणत: चाय बनाने के लिए डेयरी मिल्क यानी पशुओं से प्राप्त दूध का प्रयोग किया जाता है। वीगन चाय बनाने के लिए आप पशुओं से प्राप्त दूध की बजाए प्लांट बेस्ड मिल्क जैसे सोया मिल्क या आल्मंड मिल्क का इस्तेमाल किया जाता है। ये चाय उन लोगों के लिए भी फायदेमंद है लो लेक्टोज इंटोलरेंस हैं।

### क्यों स्पेशल है वीगन चाय

- यह चाय एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जिससे आप जल्दी बीमार नहीं पड़ेंगे। वीगन चाय हाई ब्लड प्रेशर और मधुमेह के रोगियों के लिए श्रेष्ठ विकल्प है।
- दूध की चाय की तुलना में वीगन चाय में कम फैट होता है, जिससे आपका कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है। इससे वजन कम और हृदय स्वस्थ रहता है।
- दुनिया भर में शाकाहार के प्रति बढ़ते रुझान और जागरुकता के कारण भी इस चाय को पसंद किया जा रहा है। यह आपको पर्यावरण के प्रति ज्यादा संवेदनशील भी बनाती है। यह कार्बन फुटप्रिंट को कम करता है।
- इस चाय के सेवन से एसिडिटी, जलन या अन्य पेट के रोग नहीं होते हैं। यह आपके कैलरी इंटेक को भी कम रखता है।

### वीगन चाय के लिए आपको चाहिए

वीगन मिल्क जैसे बादाम का दूध या सोया मिल्क - 1 कप
पानी - 1/4 कप
चाय पत्ती - 1 छोटी चम्मच
ब्राउन शुगर या गुड़ - स्वादानुसार
चाय मसाला- 1/2 छोटी चम्मच
अदरक - 1 छोटा टुकड़ा
पुदीना पत्ता - 3 या 4 पत्ते

### बनाने की विधि

- एक पतीले में पानी डालकर गैस ऑन कर लें।
- अब पानी में चाय पत्ती, ब्राउन शुगर या गुड़ डालकर उबाल आने दें।
- पानी उबलते ही उसमें चाय मसाला डालें। अदरक का टुकड़ा भी घिसकर डाल दें।
- साथ में पुदीने के पत्ते को मसलकर पानी में डालें और थोड़ी देर पकाएं।
- रंग और खुशबू आते ही आंच धीमी कर दें।
- अब आप बादाम का दूध या सोया मिल्क डाल सकते हैं।
- दूध डालते ही बिना रुके चाय को चम्मच से हिलाते रहें। ध्यान रखें कि आंच धीमी ही रहे।
- तेज आंच पर पकाने या उबाल आने पर इसमें कड़वापन आने का डर रहता है।
- 2-3 मिनट बाद या उबाल आने से पहले ही गैस बंद कर दें।
- चाय को कप में छान लें और गरमा गरम पिएं।

# शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है काम का तनाव

**विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के मुताबिक 1.9 मिलियन लोगों की मौत के लिए लंबे समय तक काम करना और इससे हुई बीमारियां जिम्मेदार हैं। ये आंकड़े हैरान करने वाले हैं, लेकिन यह सच है कि आपके काम करने के घंटे, काम संबंधी स्ट्रैस और आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर इससे पड़ने वाला प्रभाव - आपके लिए जानलेवा साबित हो सकता है।**

### लंबे समय तक काम करना पड़ सकता है भारी

डब्ल्यूएचओ और आईएलओ की वर्क रेलटेड बर्डे न ऑफ डिजीज एंड इंजरी 2021-2022 के अनुसार काम से संबंधित मौतों में से अधिकांश श्वसन और हृदय रोग के कारण हुई हैं। इस अध्ययन में 19 व्यावसायिक जोखिम कारकों पर विचार किया गया है, जिसमें लंबे समय तक काम करने के घंटे और कार्यस्थल पर वायु प्रदूषण, अस्थमा, कार्सिनोजेन्स, एर्गोनोमिक जोखिम कारक शामिल थे। मुख्य जोखिम लंबे समय तक काम करने का था - जिससे लगभग 750,000 लोगों की मृत्यु हुई।

काम से जुड़ी समस्याएं हमारे शारीरिक, भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती हैं। ऑफिस या वर्क लाइफ से संबंधी ऐसे कई कारक हैं जो हमें प्रभावित कर सकते हैं जैसे - लंबे समय तक काम करना या ओवरटाइम करना, काम का प्रैशर और तनाव, ऑफिस में भेदभाव, कम सैलरी, आदि। यहां तक कि लंबे समय तक बैठे रहना, फिजिकल एक्टिविटी की कमी भी आपके शारीरिक स्वास्थ्य के लिए घातक है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्येयियस ने कहा, ''इतने सारे लोगों को सचमुच उनकी नौकरी की वजह से मरते हुए देखना चौंकाने वाला है।'' आप काम से जुड़े इस तनाव को कैसे कम कर सकते हैं, कुछ टिप्स

### न कहना सीखें

ऑफिस में काम करते समय प्रैशर महसूस करना सामान्य बात है। ऐसे में काम इतना ज्यादा होता है कि वर्किंग आवर्स पता नहीं लगते हैं। मगर अपनी सीमाएं निर्धारित करें और अतिरिक्त काम को न कहना सीखें।

### ब्रेक जरूर लें

काम के बीच में ब्रेक लेना आवश्यक है! भले ही काम कितना भी ज्यादा हो 5-10 मिनट के लिए खुद के लिए वक्त निकालें, ऑफिस में वॉक करें या फाइल्स देने के लिए खुद जाएं। कोशिश करें एक्टिव रहने की, और ब्रेक लें! ये आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

### अपने हक के लिए आवाज उठाएं

अगर आपके साथ ऑफिस में किसी तरह का भेदभाव हो रहा है तो उसके प्रति आवाज उठाएं, अपनी बात रखें। यदि आप स्वस्थ महसूस नहीं कर रहे हैं तो काम से एक या दो दिन का ऑफ लें, ये आपके लिए जरूरी है!






**बॉडी पॉश्चर का मतलब होता है कि विभिन्न शारीरिक गतिविधियां करते समय आपके शरीर की स्थिति कैसी होती है.सही पॉश्चर वही है, जिसमें इस तरह से खड़ा हुआ जाये, चला जाये और बैठा जाये कि शरीर की मांसपेशियों और लिगामेंट्स पर दबाव न पड़े.हमेशा इस बात का ख्याल रखें कि रीढ़ की हड्डी सीधी रहे और शरीर के किसी अंग पर दबाव न पड़े.**

# गलत पॉश्चर से हो सकती है कमर दर्द और सर्वाइकल

## स्पॉन्डलाइटिस की समस्या

गलत पॉश्चर से कमर दर्द और सर्वाइकल स्पॉन्डलाइटिस की समस्या हो जाती है, हड्डियों का विकास सामान्य से अधिक हो जाता है, जिससे हड्डियों के बढ़ जाने की समस्या हो जाती है.गलत पॉश्चर आपके स्वास्थ्य के साथ-साथ आपके लुक के लिए भी हानिकारक है.जिन लोगों का पॉश्चर सही होता है, वे ज्यादा युवा दिखायी देते हैं.जिन लोगों का पॉश्चर सही नहीं होता, वो न सिर्फ अपनी उम्र से बड़े नजर आने लगते हैं, बल्कि वे खुद ऐसा महसूस भी करने लगते हैं.उनमें आत्मविश्वास की कमी भी दिखायी देती है. सही पॉश्चर शरीर के बेहतर संतुलन के लिए भी जरूरी है.

### अलग-अलग स्थितियों में बॉडी पॉश्चर

अधिकतर लोगों को यही पता नहीं होता कि सही पॉश्चर क्या होता है.इसके लिए जरूरी है कि विभिन्न स्थितियों में शरीर के सही पॉश्चर को जानें और उसे अपनी आदत में शामिल करें.

### बैठने की स्थिति

हमेशा कमर व पीठ सीधी और कंधे पीछे की ओर करके बैठें.शरीर का भार दोनों नितंबों पर बराबर हो.हर 30 मिनट के बाद अपनी पोजीशन यानी स्थिति बदलें.अगर आप कुर्सी पर बैठे हों तो दोनों पैरों को फर्श पर फैला लें.

### सोते समय भी रखें ख्याल

हमेशा पीठ के बल सोएं.पेट के बल सोने से गर्दन और कमर का पॉश्चर खराब हो जाता है.तकिया सिर के नीचे हो, कंधे के नीचे नहीं.ज्यादा मुलायम गद्दे पर न सोएं, इससे रीढ़ की हड्डी में तकलीफ हो सकती है.

### खड़े होते समय

खड़े होते समय सीना बाहर की ओर व पेट अंदर की तरफ हो.इस बात का ध्यान रखें कि कमर सीधी हो, घुटने भी मुड़े हुए न हों. लंबे समय तक एक ही स्थिति में खड़े होने से बचें.

### पढ़ते समय

पढ़ते समय सिर को किताब में न गाड़ें. इससे गर्दन पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है. पढ़ते समय कमर हमेशा सीधी रखें.झुक कर पढ़ने से कमर और गर्दन में दर्द होने की आशंका काफी बढ़ जाती है.

### चलते समय रखें ध्यान

हम अपनी जिंदगी में पता नहीं कितने मीलों चलते हैं, लेकिन शायद ही कभी इस बात का ख्याल रखते हैं कि चलते समय हमारा पॉश्चर कैसा होता है.चलने का सबसे सही पॉश्चर है, कंधों को सीधा रखें.सिर कंधों के ऊपर हो, रीढ़ की हड्डी एकदम सीधी. चलते समय पैर सीधी रखें, घुटनों की ओर से मुड़े हुए नहीं.

### दौड़ते समय इन बातों का रखें ख्याल

दौड़ते समय भी इस बात का ध्यान रखें कि आपका पॉश्चर एकदम सही हो.गलत पॉश्चर से मांसपेशियों को नुकसान पहुंच सकता है.खासकर दौड़ते समय पीठ एकदम सीधी होनी चाहिए.हाथ खुले न हों, दोनों हाथों की मुट्ठियां बंधी हुई हों और दौड़ते समय दोनों हाथों की पोजीशन एक जैसी होनी चाहिए.

### योगासन है कारगर

**पद्मासन** : शरीर के पॉश्चर को ठीक रखने में योग भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.पद्मासन या कमल आसन बैठ कर की जाने वाली योग मुद्रा है.इस आसन को करने से मन शांत व ध्यान गहरा होता है.इससे कई शारीरिक समस्याओं से आराम मिलता है.

### पद्मासन करने की प्रक्रिया

- पैरों को सामने की ओर फैला कर योगा मैट या जमीन पर बैठ जाएं, ध्यान रहे रीढ़ की हड्डी सीधी रहे.
- दाहिने घुटने को मोड़े और बायें जांघ पर रख दें, ध्यान रहे कि एड़ी पेट से सटी हो और पांव का तलवा ऊपर की ओर हो.
- अब यही प्रक्रिया दूसरे पैर के साथ दोहराएं.
- दोनों पैरों को मोड़ें, पांव विपरीत जांघों पर, हाथों को मुद्रा स्थिति में घुटनों पर रखें.
- सिर सीधा व रीढ़ की हड्डी सीधी रहे.
- इसी स्थिति में बने रह कर गहरी सांस लेते रहें.
- पद्मासन और वज्रासन रीढ़ की हड्डी को सीधा रखने में काफी कारगर साबित होते हैं.ताड़ासन बॉडी को स्ट्रेच करने में और कमर दर्द तथा गर्दन दर्द से छुटकारा दिलाने में काफी सहायता करता है.जिन लोगों का पॉश्चर गलत है, वे सही पॉश्चर को पहचानें.इन्हें प्रतिदिन करने से शरीर का पॉश्चर बिल्कुल ठीक रहता है. इससे आत्मविश्वास भी बढ़ता है.

### गलत पॉश्चर के दुष्परिणाम

- कमर के निचले हिस्से और गर्दन में दर्द.
- कूबड़ निकल आना.
- मांसपेशियों का खींच जाना या छोटा हो जाना और लंबे समय तक ठीक से काम नहीं कर पाना.
- फेफड़ों की कार्यक्षमता प्रभावित होना, जिससे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाना.
- रीढ़ की हड्डी का अलाइनमेंट बिगड़ जाना.
- तंत्रिका तंत्र की कार्यप्रणाली प्रभावित होना.
- लगातार झुक कर बैठना कब्ज का कारण बन सकता है.
- जोड़ों में दर्द, जो आगे गठिया रोग में बदल जाता है.

### कंप्यूटर-गैजेट्स प्रयोग करते समय रखें ध्यान

आज कंप्यूटर और लैपटॉप हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन इनका इस्तेमाल करते समय एरगोनॉमिक्स ठीक रखना जरूरी है. एरगोनॉमिक्स में आता है कि आप कंप्यूटर पर काम करते समय कैसे बैठें, कंप्यूटर पर काम करते हुए कमर सीधी करके बैठें और स्क्रीन आंखों से 15 डिग्री नीचे की तरफ होना चाहिए.स्क्रीन ओर आंखों के बीच करीब 2 फुट की दूरी होनी चाहिए.हर दो घंटे के बाद एक ब्रेक जरूर लें.

### उपचार

आदतें आसानी से नहीं छूटतीं हैं, खास कर बुरी आदतें, ऐसे में उपचार के लिए आये व्यक्ति को क्लिनिक में सबसे पहले सही पॉश्चर की जानकारी दी जाती है. उसे सही पॉश्चर का अभ्यास करवाया जाता है, फिर मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज करवाते हैं.



# भारत बनाम न्यूजीलैंड: टीम इंडिया ने रचा इतिहास

## पांचवें मैच में न्यूजीलैंड ने भारत को 7 विकेट से हराया, भारत ने 3-2 से सीरीज जीती

एजेंसी, हैमिल्टन।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का अंत रोमांचक मुकाबले के साथ हुआ। पांचवें और आखिरी टी20 में न्यूजीलैंड ने भारत को सात विकेट से हराकर सीरीज का शानदार अंत किया। हालांकि, शुरूआती तीन मुकाबले जीतकर टीम इंडिया पहले ही सीरीज अपने नाम कर चुकी थी। भारत ने यह सीरीज 3-2 से जीती। आखिरी मुकाबले में भले ही भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इस मैच और पूरी सीरीज में कई बड़े रिकॉर्ड बने। भारत ने एक कैलेंडर वर्ष में न्यूजीलैंड के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया, वहीं ग्लेन फिलिप्स ने द्विपक्षीय टी20 सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया। इसके अलावा न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ अपना दूसरा सबसे बड़ा सफल टी20 रन चेज भी पूरा किया। आइए जानते हैं भारत-न्यूजीलैंड टी20 सीरीज में कौन-कौन से बड़े रिकॉर्ड बने और आखिरी मुकाबले में दोनों टीमों की पारियों में क्या खास रहा।

### पांचवें मैच में क्या-क्या हुआ?

पांचवें टी20 मुकाबले में न्यूजीलैंड ने सात विकेट से जीत दर्ज की। टॉस जीतकर मिचेल सैंटनर ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 191 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड ने 18 ओवर में तीन विकेट खोकर 192 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने सीरीज का स्कोर 3-2 किया। हालांकि, भारतीय टीम शुरूआती तीन मुकाबले जीतकर अजेय बढ़त हासिल कर चुकी थी। भारत ने पहला और दूसरा टी20 चार-चार विकेट से जीता, जबकि तीसरे मुकाबले में छह विकेट से जीत दर्ज की थी। चौथे टी20 में न्यूजीलैंड ने 87 रन से जीत हासिल कर वापसी की और आखिरी मैच में भी अपना दबदबा कायम रखा।



### साइफर्ट और फिलिप्स ने छीन लिया भारत से मैच

192 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरूआत खराब रही। फिन एलन दो रन बनाकर अर्शदीप सिंह का शिकार बने। इसके बाद टिम साइफर्ट और डेरिल मिचेल ने पारी को संभाला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 42 गेंदों में 73 रन की साझेदारी की। मिचेल ने 16 गेंदों में चार चौके की मदद से 29 रन बनाए। मिचेल के आउट होने के बाद टिम साइफर्ट को ग्लेन फिलिप्स का साथ मिला। दोनों बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों पर जमकर हमला बोला और तीसरे विकेट के लिए 86 रन जोड़ दिए। साइफर्ट ने 50 गेंदों में 11 चौके और पांच छक्के लगाकर 93 रन की शानदार पारी खेली। वह शतक से सात रन दूर रह गए। दूसरी ओर, ग्लेन फिलिप्स ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी। उन्होंने 38 गेंदों में आठ चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 65 रन बनाए। बेवन जैकब्स के साथ मिलकर उन्होंने न्यूजीलैंड को 18वें ओवर में ही जीत दिला दी। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और नीतीश रेड्डी को एक-एक विकेट मिला। भारतीय गेंदबाज न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में नाकाम रहे।

### शान-श्रेयस की तूफानी पारियां, फिर कहां लड़खड़ाए?

पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन एक-एक रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने पारी को संभाला। दोनों ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तीसरे विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी की।

ईशान किशन ने 32 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के की मदद से 61 रन बनाए। वहीं, श्रेयस अय्यर ने सिर्फ 23 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाते हुए 50 रन की पारी खेली। श्रेयस ने अपना अर्धशतक पूरा किया और ईशान के साथ मिलकर भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

एक समय भारत का स्कोर दो विकेट पर 112 रन था और टीम के 200 के पार पहुंचने की उम्मीद थी। लेकिन ईशान के आउट होने के बाद भारतीय बल्लेबाजी बिखर गई। भारत ने 112 से 133 रन के बीच तीन और विकेट गंवा दिए।

नमन धीर ने 23 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाए। नीतीश रेड्डी ने 17 गेंदों में 22 रन का योगदान दिया। वहीं, तिलक वर्मा छह और भुवनेश्वर कुमार भी छह रन बनाकर आउट हुए। इस तरह भारतीय टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 191 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड की ओर से एडम मिल्ने सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार विकेट झटके। नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर को दो-दो विकेट मिले।

### सीरीज में बने ये पांच बड़े रिकॉर्ड

**1. न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ हासिल किया अपना दूसरा सबसे बड़ा लक्ष्य**

आखिरी टी20 में न्यूजीलैंड ने 192 रन का लक्ष्य हासिल किया। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूजीलैंड का तीसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज और भारत के खिलाफ दूसरा सबसे बड़ा सफल लक्ष्य हासिल करने का कारनामा है।

**टी20 अंतरराष्ट्रीय में न्यूजीलैंड के सबसे बड़े सफल रन चेज**

201 रन बनाम जिम्बाब्वे, हैमिल्टन (2012)
194 रन बनाम पाकिस्तान, रावलपिंडी (2023)
192 रन बनाम भारत, हैमिल्टन (2026)
183 रन बनाम श्रीलंका, क्वींसटाउन (2023)
183 रन बनाम अफगानिस्तान, चेन्नई (2026)

**2. भारत ने एक कैलेंडर वर्ष में न्यूजीलैंड के खिलाफ लगाए सबसे ज्यादा छक्के**

इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों ने छक्कों की जमकर बरसात की। भारत ने साल 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कुल 142 छक्के लगाए। यह किसी टीम की ओर से एक कैलेंडर वर्ष में किसी एक विपक्षी टीम के खिलाफ लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं। इस रिकॉर्ड सूची में भारत शीर्ष पर पहुंच गया है। वहीं, न्यूजीलैंड ने भी इसी साल भारत के खिलाफ 117 छक्के लगाए हैं।

**एक कैलेंडर वर्ष में किसी एक विपक्षी टीम के खिलाफ सर्वाधिक छक्के**

142 छक्के - भारत बनाम न्यूजीलैंड (2026)
117 छक्के - न्यूजीलैंड बनाम भारत (2026)
111 छक्के - कंबोडिया बनाम इंडोनेशिया (2025)

खास बात यह है कि साल 2026 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए 11 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में कुल 259 छक्के लगे। यानी हर मुकाबले में औसतन 23.5 छक्के लगाए गए। यह आंकड़ा दोनों टीमों की आक्रामक बल्लेबाजी का अंदाजा देता है।

**3. द्विपक्षीय सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में कौन शीर्ष पर?**

भारत और न्यूजीलैंड के बीच इस सीरीज में भी छक्कों की खूब बारिश हुई। न्यूजीलैंड ने भारत में खेली गई इस द्विपक्षीय सीरीज में कुल 116 छक्के लगाए। वहीं, भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड में खेली गई सीरीज में भी 116 छक्के जड़े।

**द्विपक्षीय टी20 सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली टीमें**

132 छक्के - ऑस्ट्रिया बनाम जर्मनी (2026)
120 छक्के - इंग्लैंड बनाम वेस्टइंडीज (2023)
117 छक्के - ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज (2025)
116 छक्के - न्यूजीलैंड बनाम भारत (2026)
116 छक्के - भारत बनाम न्यूजीलैंड (2026)

**4. फिलिप्स ने बनाया द्विपक्षीय टी20 सीरीज में सर्वाधिक रन का विश्व रिकॉर्ड**

इस सीरीज के सबसे बड़े व्यक्तिगत रिकॉर्ड की बात करें तो ग्लेन फिलिप्स ने इतिहास रच दिया। उन्होंने भारत के खिलाफ पूरी टी20 सीरीज में कुल 341 रन बनाए। इसके साथ ही वह द्विपक्षीय टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंग्लैंड के फिल साल्ट के नाम था। उन्होंने 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में 331 रन बनाए थे।

द्विपक्षीय टी20 सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज
341* रन - ग्लेन फिलिप्स बनाम भारत (2026)
331 रन - फिल साल्ट बनाम वेस्टइंडीज (2023)
316 रन - मोहम्मद रिजवान बनाम इंग्लैंड (2022)
297 रन - साहिल चौहान (एस्टोनिया) बनाम साइप्रस (2024)
290 रन - मार्क चैपमैन बनाम पाकिस्तान (2023)

**5. भारत-न्यूजीलैंड टी20 मुकाबलों में छक्कों का नया इतिहास**

साल 2026 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच कुल 11 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए। इन मैचों में दोनों टीमों ने मिलकर 259 छक्के लगाए। यानी हर मैच में औसतन 23.5 छक्के देखने को मिले। यह आंकड़ा बताता है कि दोनों टीमों के बीच इस साल खेले गए मुकाबले कितने आक्रामक और बड़े स्कोर वाले रहे।

### वनडे सीरीज में आमने-सामने होंगी दोनों टीमें

टी20 सीरीज खत्म होने के बाद अब दोनों टीमों का अगला मुकाबला वनडे प्रारूप में होगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चार नवंबर से पांच मैचों की वनडे सीरीज शुरू होगी। सीरीज का पहला मुकाबला ऑकलैंड में खेला जाएगा।

## नामीबिया ने रचा इतिहास: आखिरी मैच में आयरलैंड को हराया

**विंडहोक।** नामीबिया क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए आयरलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज 3-2 से अपने नाम कर ली। रविवार को खेले गए सीरीज के पांचवें और आखिरी मुकाबले में नामीबिया ने आयरलैंड को पांच विकेट से शिकस्त दी। इसके साथ ही नामीबिया ने पहली बार किसी आईसीसी पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीतने का ऐतिहासिक कारनामा किया। नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए इस मुकाबले में मेजबान टीम ने शानदार गेंदबाजी के दम पर आयरलैंड को महज 129 रन पर समेट दिया। इसके बाद बल्लेबाजों ने 21.2 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

### 130 रन पर सिमटी आयरलैंड की टीम

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की शुरूआत बेहद खराब रही। टीम ने महज छह रन के स्कोर पर टिम टेक्टर (5) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद कैड कारमाइकल और एंड्रयू बालबर्नी ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन बालबर्नी नौ रन बनाकर आउट हो गए। कारमाइकल ने 57 गेंदों में 27 रन बनाए। वहीं हैरी टेक्टर ने कप्तान लॉरेन टकर के साथ कुछ देर तक पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि, नामीबिया के गेंदबाजों ने लगातार विकेट निकालकर आयरलैंड को दबाव में बनाए रखा।

# सुकेश चंद्रशेखर केस में नोरा फतेही की गवाही



बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही एक बार फिर महाठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपए के जबरन वसूली मामले को लेकर चर्चा में हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने अभिनेत्री को इस मामले में अभियोजन पक्ष के गवाह के तौर पर पेश होने के लिए समन जारी किया है। कोर्ट ने नोरा को 2 नवंबर 2026 को पेश होने का निर्देश दिया है। दरअसल, नोरा फतेही का नाम इस मामले में दाखिल तीसरी सप्लीमेंट्री चार्जशीट में अभियोजन पक्ष के गवाह के तौर पर शामिल किया गया है। इसी आधार पर कोर्ट ने उन्हें तलब किया है। उन्हें मामले से जुड़े तथ्यों और घटनाक्रम के बारे में अदालत के सामने अपना बयान देना होगा। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की जांच में उन्हें गवाह के तौर पर शामिल किया गया था। जनवरी 2023 में दाखिल सप्लीमेंट्री चार्जशीट में भी नोरा और जैकलीन फर्नांडीज के नाम गवाहों के तौर पर सामने आए थे। इस मामले की शुरूआत दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में दर्ज उस शिकायत से हुई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि सुकेश चंद्रशेखर ने जेल में रहते हुए करीब 200 करोड़ रुपए की ठगी की। यह शिकायत फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व प्रमोटर शिविंदर सिंह की पत्नी अदिति सिंह की ओर से दर्ज कराई गई थी। आरोप था कि सुकेश ने खुद को सरकारी अधिकारी बताकर अदिति सिंह से संपर्क किया और उनके पति को जेल से बाहर निकलवाने में मदद करने का भरोसा दिया। इसी बहाने उसने उनसे बड़ी रकम वसूली। जांच में सामने आया कि इस पूरे काम में सुकेश के साथ कई अन्य लोग भी शामिल थे। जांच के दौरान सुकेश का नाम बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों से जुड़ा। इनमें नोरा फतेही और जैकलीन फर्नांडीज का नाम भी शामिल था। जांच एजेंसियों को पता चला कि सुकेश ने अभिनेत्रियों से संपर्क बनाने के लिए पिंकी ईरानी की मदद ली थी। पिंकी ईरानी पर आरोप था कि उन्होंने सुकेश की पहचान और उसके रसूख को अलग तरीके से पेश करके अभिनेत्रियों को उससे मिलवाया। इसी सिलसिले में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने सितंबर 2022 में नोरा से कई घंटों तक पूछताछ की थी।

पूछताछ के दौरान नोरा ने बताया था कि वह सुकेश की पत्नी लीना मारिया पॉल की ओर से आयोजित एक चैरिटी शो में शामिल हुई थीं। इसी शो में लीना ने उन्हें गुच्ची का बैग और आईफोन दिया था। इसके बाद उनकी सुकेश से फोन पर बात कराई गई थी। सुकेश ने खुद को उनका फैन बताया था और बीएमडब्ल्यू कार गिफ्ट करने की बात कही थी। कार की डील के लिए शेखर नाम का एक व्यक्ति नोरा के संपर्क में आया था। नोरा ने कथित तौर पर कार लेने से इनकार कर दिया और शेखर को अपने रिश्तेदार बॉबी खान का नंबर दे दिया। बाद में बीएमडब्ल्यू कार बॉबी के नाम पर रजिस्टर्ड मिली। पुलिस पूछताछ में बॉबी ने कथित तौर पर सुकेश से करीब 65 लाख रुपए की बीएमडब्ल्यू मिलने की बात स्वीकार की थी।

नोरा ने जांच एजेंसियों के सामने खुद को इस पूरे मामले में साजिश का शिकार बताया था। उनका कहना था कि उन्हें सुकेश की असली पहचान और उसके आपराधिक कामों की जानकारी नहीं थी। वहीं, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी मनी लॉन्ड्रिंग के पहलू से मामले की जांच की।

# जब एक रोल के लिए शाहरुख को कटवाने पड़े थे लंबे बाल, दुखी मन से मानी थी शर्त

सिनेमा के इतिहास में कुछ ही ऐसे चेहरे होते हैं, जो पर्दे पर आते ही समय की धारा को मोड़ देते हैं। आज जिसे पूरी दुनिया 'किंग खान' बुलाती है और उनकी हेयरस्टाइल के लाखों दीवाने रहते हैं लेकिन उनके करियर की शुरूआत में एक ऐसा वक्त भी आया था, जब अभिनेता को अपने बालों को कटाना पड़ा था। यह दौर तब का है जब शाहरुख अभिनय की दुनिया में अपनी जगह बनाने की जद्दोजहद कर रहे थे। आज भले ही लंबे बाल और उनका सिग्नेचर हेयरस्टाइल उनकी पहचान बन चुका हो लेकिन संघर्ष के शुरूआती दिनों में निमार्ताओं और निर्देशकों की शर्तों के आगे उन्हें अपनी पसंद से समझौता करना पड़ा था। आखिर क्या थी वो मजबूरी और किस फिल्म या प्रोजेक्ट के दौरान शाहरुख को यह कड़ा फैसला लेना पड़ा था? आइए जानते हैं इस दिलचस्प किस्से के बारे में... 2 नवंबर 1965 को नई दिल्ली में एक मुस्लिम परिवार में जन्मे अभिनेता शाहरुख खान को रोमांस का किंग कहा जाता है लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि 90 के दशक में जब उन्होंने फिल्मों में कदम रखा था, तो किसी भी बड़े हीरो ने विलेन का रोल करने से परहेज किया था। उस दौर में शाहरुख ने बाजीगर, डर और अंजाम जैसी फिल्मों में निगेटिव रोल से दर्शकों के मन में खौफ पैदा किया और फिर हीरो बनकर दर्शकों का दिल जीत लिया।

शाहरुख खान ने हंसराज कॉलेज से बीए इकोनॉमिक्स किया था। इस दौरान वे दिल्ली के 'थिएटर एक्शन ग्रुप' से जुड़े और प्रसिद्ध थिएटर निर्देशक बैरी जॉन के मार्गदर्शन में अभिनय सीखा। इसके बाद उन्होंने जामिया मिलिया इस्लामिया से मास कम्युनिकेशन में पीजी में दाखिला लिया था लेकिन अभिनय करने के जुनून के चलते अभिनेता ने अपना पीजी बीच में छोड़ दिया था।

बताया जाता है कि माता-पिता के देहांत के बाद बड़ा मुकाम हासिल करने की इच्छा लेकर शाहरुख साल 1991 में दिल्ली छोड़कर मुंबई आ गए थे। अभिनेता रंगमंच में सक्रिय थे, जहां पर उनके स्वाभाविक अभिनय और जबरदस्त ऊर्जा ने कई




लोगों का ध्यान आकर्षित किया। शाहरुख खान को कैमरे के सामने अभिनय करने का सबसे पहला ब्रेक जाने-माने निर्देशक लेख टंडन ने अपने धारावाहिक 'दिल दरिया' में दिया था। हालांकि, इस शो में काम करने के लिए निर्देशक ने अभिनेता के सामने एक अजीब-सी शर्त रख दी थी।

उन्होंने शाहरुख से अपने लंबे और बिखरे बाल कटवाने के लिए कहा था। शाहरुख को अपने बालों से बहुत प्यार था लेकिन अभिनय के जुनून के कारण उन्होंने दुखी मन से इस शर्त को स्वीकार कर लिया और अपने बाल कटवा लिए। इस शो में अभिनेता को 'नंदू' का छोटा सा रोल मिला था। प्रोडक्शन और शूटिंग में देरी के कारण 'दिल दरिया' का प्रसारण समय पर नहीं हो पाया। शाहरुख खान को कर्नल राज कपूर का सीरियल फौजी मिल गया, जो पहले ऑन-एयर हो गया। इसी वजह से इसे आधिकारिक तौर पर शाहरुख खान का पहला ऑन-स्क्रीन डेब्यू माना जाता है। धारावाहिक 'फौजी' के लिए अभिनेता जब कर्नल राज कपूर के ऑफिस ऑडिशन देने के लिए पहुंचे थे, तो निर्देशक को शाहरुख खान की काबिलियत पर भरोसा नहीं था। हालांकि, ऑडिशन की दिलचस्प बात यह है कि कर्नल कपूर को लगा था कि शाहरुख के गालों के डिंपल असली नहीं हैं बल्कि उन्होंने उसे छूकर देखा था।

शाहरुख खान को शुरूआत में इस शो में सेकेंड लीड या एक छोटे से साइड रोल (अभिमन्यु राय) के लिए चुना गया था लेकिन जब कैमरा चालू हुआ, तो कर्नल कपूर और कैमरामैन ने नोटिस किया कि अभिनेता की गजब की स्क्रीन प्रेजेंस और चुलबुले अंदाज को दर्शकों की तरफ से प्यार मिलने लगा जिस वजह से उनका रोल बढ़ा दिया गया और वह शो के मुख्य स्टार बनकर उभरे। फौजी के सुपरहिट होने के बाद शाहरुख रातोंरात भारत के हर घर में मशहूर हो गए। इसके बाद उन्हें अजीज मिर्जा के लोकप्रिय शो 'सर्कस' (1989) में काम मिला। टेलीविजन पर उनकी इसी सफलता को देखकर हेमा मालिनी ने उन्हें पहचाना और अपनी फिल्म 'दिल आशना है' के लिए बतौर लीड हीरो साइन कर लिया जिसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

हालांकि, शुरूआती दौर में उन्होंने लीक से हटकर 'बाजीगर', 'डर' और 'अंजान' जैसी फिल्मों में खलनायक की भूमिकाएं निभाईं और खूब वाहवाही बटोरी। 'बाजीगर' के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला था। 1995 में आई 'दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे' ने भारतीय सिनेमा का इतिहास बदल दिया और उन्हें रोमांटिक हीरो के रूप में अमर कर दिया।

# किंग काइली बनीं प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा त्योहारी सीजन का भरपूर आनंद ले रही हैं। दिवाली की पार्टी का आयोजन करने के बाद अब वह अपने परिवार के साथ हैलोवीन मनाने में जुट गई हैं। हैलोवीन मनाने के लिए अभिनेत्री अपने पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी के साथ बाहर निकलीं। उनके आउटफिट ने फैंस का ध्यान खींचा है।

### प्रियंका की पोस्ट में क्या है?

प्रियंका चोपड़ा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर परिवार की प्यारी तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें उनके कॉस्ट्यूम का चुनाव काफी अनोखा है। प्रियंका ने निक और मालती के साथ पोज देते हुए एक तस्वीर शेयर की और साथ ही एक मजेदार कैप्शन लिखा। उन्होंने लिखा 'एक बहुत ही अनोखा मेल। एक काउबॉय, एक घोस्ट प्रिंसेस और 'किंग काइली'। सब मिलकर 'ट्रिक-ऑर-ट्रीट' के लिए निकले हैं। हैलोवीन की सभी को शुभकामनाएं! दिवालीवीन सीजन आ गया है।'

### कैसा है प्रियंका के परिवार का आउटफिट?

इस मौके पर, प्रियंका ने काइली जेनर के मशहूर 'किंग काइली' लुक को अपनाया। उन्होंने लंबे गुलाबी बाल (विग), काली बीनी (टोपी), बड़े सनग्लासेस, काला क्रॉप टॉप और उसके साथ मैचिंग जैकेट व ट्राउजर पहना। वहीं, निक ने काउबॉय का रूप धारण किया। उन्होंने सफेद काउबॉय हैट, भूरे रंग की साबर जैकेट, डार्क जींस और भूरे बूट पहने। उनकी बेटी मालती मैरी एक भूतिया राजकुमारी के रूप में बहुत प्यारी लग रही थीं। उन्होंने केप वाला सफेद गाउन, सफेद विग और दिल के आकार के सनग्लासेस पहने।



### प्रियंका की इंस्टा स्टोरी में क्या है?

उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी भी शेयर की, जिसमें उन्होंने लिखा, 'उन सभी मिलेनियल माताओं को हैलोवीन की शुभकामनाएं, जो पूरी रात बच्चों से कहती रहेंगी कि 'सिर्फ एक ही लेना' और 'क्या तुमने थैंक यू कहा?''

### प्रियंका का वर्कफ्रंट

अपने व्यस्त काम के शेड्यूल के बीच प्रियंका और निक एक-दूसरे के साथ कुछ निजी समय बिता रहे हैं। एसएस राजामौली की 'वाराणसी' और अपनी हॉलीवुड फिल्मों के बीच तालमेल बिठा रहीं प्रियंका ने हाल ही में रसेल क्रो के साथ 'बटरफ्लाई' पर काम शुरू किया है।

# हैलोवीन 2026: हेइडी क्लम का डरावना अवतार, कटा हुआ हाथ बनकर पार्टी में पहुंचीं

सुपरमॉडल हेइडी अपनी हैलोवीन पार्टी में कटे हुए हाथ के रूप में पहुंचीं। उनका यह लुक इतना अजीब और डरावना था कि हर कोई उन्हें देखता रह गया। अब उनकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं।

### हेइडी क्लम ने चुना अनोखा कॉस्ट्यूम

हेइडी क्लम ने शनिवार रात न्यूयॉर्क में अपनी मशहूर हैलोवीन पार्टी का आयोजन किया। इस साल उनकी पार्टी की 25वीं सालगिरह भी थी। इस खास मौके पर उन्होंने अपने कॉस्ट्यूम के लिए एक कटे हुए हाथ का लुक चुना। खास बात यह थी कि इस कॉस्ट्यूम में उन्होंने अपने ही हाथ को दोबारा बनाया था। इसमें खून से सनी कलाई, अंगूठियां और खूबसूरत नेल आर्ट भी नजर आई। वहीं, हाथ के बीच में उनका सिर दिखाई दे रहा था।



### ट्रक में बैठकर पार्टी में पहुंचीं हेइडी

हेइडी क्लम अपनी पार्टी में एक खास ट्रक से पहुंचीं। इस ट्रक पर लाल रंग के खतरे वाले निशान बने हुए थे। उनके साथ पीले रंग के सेफ्टी सूट पहने कुछ कलाकार भी मौजूद थे, जिन्होंने उन्हें ट्रक से नीचे उतरने में मदद की। रेड कार्पेट पर बातचीत के दौरान हेइडी ने बताया कि उनका यह कॉस्ट्यूम उनके अपने हाथ की बारीकी से बनाई गई नकल है।

### अपने अनोखे कॉस्ट्यूम के लिए मशहूर हैं हेइडी

हेइडी क्लम को हैलोवीन की क्वीन भी कहा जाता है। उनकी हैलोवीन पार्टी हर साल चर्चा में रहती है। वह अपने कॉस्ट्यूम पर काफी मेहनत करती हैं और हर बार किसी नए अवतार में नजर आती हैं। इससे पहले वह मेडुसा, ईटी, मोर, फिल्म 'श्रेक' की फियोना, जेसिका रैबिट और एक विशालकाय कीड़े का रूप भी ले चुकी हैं।